संस्करण ● नई दिल्ली ● पानीपत (हरियाणा) ● चण्डीगढ़ ●लखनऊ ● भोपाल (मध्य प्रदेश) ●हल्द्वानी नैनीताल ● देहरादून (उत्तराखण्ड) से एक साथ प्रकाशित... www.publicasia.in

पब्लिक की सुनें, पब्लिक की कहें

पब्लिक एशिया

@publicasia1989 @publicasiaofficial @publicasia e-mail: publicasia1989@gmail.com

वर्ष : 15, अंक : 254 पृष्ठ : 04, पानीपत, शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024, मूल्य : 2 रूपये RNI No.- HARHIN/2011/40057

कुरुक्षेत्र में 28 नवंबर से 15 दिसंबर तक आयोजित होगा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव

निशान्त वत्स पब्लिक एशिया

नई दिल्ली। हरियाणा में धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में हर वर्ष की भांति इस बार भी अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव को भव्य रूप से मनाया जाएगा। 28 नवंबर से 15 दिसंबर 2024 तक अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। वर्ष 2016 से हरियाणा सरकार ने गीता महोत्सव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने की शुरुआत की है, तब से ही हरियाणा का नाम देश-विदेश में विख्यात हुआ है। हर वर्ष किसी न किसी देश में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जो कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष भी हैं, आज यहां अपने निवास स्थान संत कबीर कुटीर में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल तथा गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज भी उपस्थित रहे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में तंजानियां को पार्टनर देश तथा ओडिशा होगा पार्टनर राज्य होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समारोह के दौरान शहर में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि देश-विदेश से आने वाले आगंतुकों को किसी भी प्रकार की अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। इस कार्य में कुरुक्षेत्र जिला की सामाजिक, धार्मिक संस्थानों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन व युवाओं को जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर में दिव्य कुरुक्षेत्र नाम से स्वच्छता का एक विशेष अभियान चलाया जाए, जिसमें वह स्वयं भी हिस्सा लेंगे।

मुख्य कार्यक्रम 5 से 11 दिसंबर तक होंगे, 11 दिसंबर को होगा महापर्व...

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि इस वर्ष गीता जयंती का महापर्व 11 दिसंबर 2024 को होगा। महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 5 दिसंबर से 11 दिसंबर तक आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा जिला स्तर पर गीता महोत्सव कार्यक्रम जिला मुख्यालयों पर 9 नवंबर से 11 दिसंबर तक होंगे।

इस बात की भी जानकारी दी गई कि कार्यक्रम को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी लोकप्रिय बनाने की पहल की गई है। सूचना, लोकसपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा यू-ट्यूब चैनल पर गीता में मेरा पसंदीदा श्लोक (माई फेवरेट श्लोक इन गीता) थीम से प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाएगा। प्रतिभागियों द्वारा भेजे गए सबसे अधिक लाइक किए जाने वाले वीडियो को महोत्सव के समापन समारोह पर 1 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

बैठक में मुख्यमंत्री को इस बात की भी जानकारी दी गई कि भारत के चार प्रसिद्ध प्रमुख धार्मिक स्थलों पर राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी तथा लाइव प्रसार दिखाया जाएगा, जिसमें उत्तर प्रदेश के वृंदावन, गुजरात का द्वारका, कर्नाटक का उडूपी तथा ओडिशा का धार्मिक स्थल होगा।

बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ अमित अग्रवाल, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री विकास गुप्ता, सूचना, जन संपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग, कुरुक्षेत्र के उपायुक्त श्री राजेश जोगपाल, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार श्री भारत भूषण भारती, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री पंकज, विदेश सहयोग विभाग के सलाहकार श्री पवन चौधरी, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव श्री मदन मोहन छाबड़ा तथा बोर्ड के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

नई दिल्ली » जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। श्री अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद आज पहली बार राजधानी आये थे। उन्होंने केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की।

भाजपा ने राजस्थान और उप्र विस उपचुनावों के लिए की उम्मीदवारों की घोषणा

एजेंसी/ नई दिल्ली » भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के विधानसभा उप-चुनावों के लिए अपने आठ उम्मीदवारों की गुरुवार को घोषणा की। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि भाजपा की केन्द्रीय चुनाव समिति ने राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के विधानसभा के आगामी उप-चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की चौरासी (अजजा) सीट से श्री कारीलाल ननोमा को प्रत्याशी बनाया गया है, जबकि उत्तर प्रदेश में कुंदरकी से श्री रामवीर सिंह ठाकुर, गाजियाबाद से श्री संजीव शर्मा, खैर (अजा) से श्री सुरेंद्र दिलेर, करहल से श्री अनुजेश यादव, फूलपुर से श्री दीपक पटेल, कटेहरी से श्री धर्मराज निषाद तथा मझवां से श्रीमती सुचिस्मिता मौर्या को टिकट दिया गया है।

मौसम

दिल्ली/एनसीआर

अधिकतम ता.	न्यूनतम ता.
34.0°C	27.0°C

संक्षिप्त समाचार

चक्रवात 'दाना' : नौसेना हैडर अभियान के लिये तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली » ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों पर चक्रवातीय तूफान 'दाना' के आने के मद्देनजर, नौसेना मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान चलाने की योजना बना रही है। पूर्वी नौसेना कमान ने आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में नौसेना अधिकारियों के प्रभारी (एनओआईसी) के साथ समन्वय में यह अभियान चलाने की योजना बनायी है। इसके अलावा, नौसेना कमान बेस विक्टुअलिंग यार्ड (बीवीवाई), मैटेरियल ऑर्गनाइजेशन और नौसेना अस्पताल आईएनएचएस कल्याणी जैसी इकाइयों के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि राज्य प्रशासन की ओर से मांगे जाने पर आवश्यक आपूर्ति और चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके।

मुर्मु कल से छत्तीसगढ़ की दो दिन की यात्रा पर रहेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली » राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार से छत्तीसगढ़ की दो दिवसीय दौरे पर रहेंगी।राष्ट्रपति सचिवालय ने गुरुवार को यहां बताया कि राष्ट्रपति शुक्रवार को एम्स, रायपुर के दूसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। उसी दिन, वह राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर के 14वें दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी और नया रायपुर में पुरखौती मुक्तांगन का दौरा करेंगी। श्रीमती मुर्मु 26 अक्टूबर को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भिलाई के चौथे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। वह रायपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेमोरियल हेल्थ साइंस एंड आयुष यूनिवर्सिटी ऑफ़ छत्तीसगढ़ के तीसरे दीक्षांत समारोह की भी शोभा बढ़ाएंगी।

जन्म तिथि का आधिकारिक प्रमाण 'आधार कार्ड' नहीं : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली » उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि 'आधार कार्ड' जन्म तिथि का आधिकारिक प्रमाण नहीं है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति उज्जल भुयान की पीठ ने सरोज और अन्य की पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ अपील स्वीकार कर ली, जिसमें आधार कार्ड में दर्ज जन्म तिथि के आधार पर सड़क दुर्घटना में मृत्यु के लिए उन्हें दिए जाने वाले मुआवजे को कम कर दिया गया था।शीर्ष अदालत ने मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र के आधार पर मृतक की आयु निर्धारित करने और मुआवजा तय करने के आदेश को बरकरार रखा।

पीठ ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) द्वारा जारी एक परिपत्र का हवाला दिया। इसके साथ ही एक वैधानिक प्रावधान का भी जिक्र दिया, जिसमें स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र को जन्म तिथि का वैध प्रमाण घोषित किया गया था।शीर्ष अदालत ने कहा कि यूआईडीएआई ने 2023 में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 20 दिसंबर 2018 को जारी कार्यालय ज्ञापन के संदर्भ में कहा है कि आधार कार्ड का उपयोग पहचान स्थापित करने के लिए किया जा सकता है, लेकिन यह जन्म तिथि का प्रमाण नहीं है। पीठ ने कहा कि शबाना बनाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (2024) मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने यूआईडीएआई की ओर से दिए गए एक बयान को दर्ज किया कि 'आधार कार्ड को जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।'

सुप्रीम कोर्ट ने तोड़फोड़ पर अवमानना याचिका खारिज की

नई दिल्ली » उच्चतम न्यायालय ने अचल संपत्तियों को तोड़ने के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार, उत्तराखंड और राजस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई करने की याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि वह उस पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं है। पीठ ने कहा, 'हम भानुमती का पिटारा नहीं खोलना चाहते हैं।'पीठ ने कहा कि कोई भी प्रभावित व्यक्ति अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है, कोई तीसरा पक्ष नहीं। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वूमेन की ओर से अधिवक्ता एम निजाम पाशा ने दावा किया कि ऐसे तीन उदाहरण हैं, जहां तोड़फोड़ करने से पहले अदालत से अनुमति नहीं ली गई। उन राज्यों सरकारों की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा कि तोड़फोड़ फुटपाथ पर की गई। याचिका समाचार रिपोर्ट के आधार पर तीसरे पक्ष द्वारा दायर की गई थी।

उप्र विधानसभा उपचुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारेगी कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली » कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए होने वाले उपचुनाव में कोई उम्मीदवार नहीं उतारने निर्णय लिया है और कहां है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए वह इंडिया समूह की जीत सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेगी। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश के प्रभारी अविनाश पांडे तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्टी ने विधानसभा के लिए होने वाले उपचुनाव में किसी भी सीट पर उम्मीदवार खड़ा नहीं करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश में 10 में से नौ सीटों पर उपचुनाव होने जा रहे हैं लेकिन आज का समय अपने संगठन या पार्टी को बचाने का नहीं है, ये समय संविधान और भाईचारे की रक्षा करने का है। इसके मद्देनजर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने फैसला लिया है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में पार्टी चुनाव मैदान में अपने उम्मीदवार नहीं उतारेगी। हम इंडिया समूह के उम्मीदवारों की विजय के लिए प्रयासरत रहेंगे।'

कांग्रेस नेताओं ने कहा, 'पिछले दिनों उत्तर प्रदेश कांग्रेस समिति के नेतृत्व में सभी 10 विधानसभाओं में 'संविधान बचाओ संकल्प सम्मलेन' का आयोजन किया गया। अगर आज भाजपा को नहीं रोका गया तो आने वाले समय में संविधान, भाई-चारा, आपसी सौहार्द कमजोर हो जाएगा। यूपी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया है कि इन चुनावों में भाजपा को कड़ी शिकस्त देनी है, ताकि आने वाले 2027 के चुनावों में सकारात्मक प्रभाव हो।'

मतभेदों के समाधान के लिए निरंतर बातचीत जरुरी : राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली » रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगते कुछ क्षेत्रों में मतभेदों को हल करने के लिए भारत और चीन के बीच बनी व्यापक सहमति इस बात का प्रमाण है कि निरंतर बातचीत से समस्याओं का समाधान होता है।

श्री सिंह ने गुरुवार को यहां चाणक्य रक्षा वार्ता में मुख्य भाषण देते हुए जोर देकर कहा कि दोनों देश राजनयिक और सैन्य स्तर पर बातचीत में शामिल हैं और समान तथा पारस्परिक सुरक्षा के सिद्धांतों के आधार पर जमीनी स्थिति को बहाल करने के लिए व्यापक सहमति हासिल की गई है। उन्होंने कहा, 'यह निरंतर संवाद में शामिल रहने की शक्ति है।' रक्षा मंत्री ने 'विकास और सुरक्षा के लिए भारत का दृष्टिकोण' विषय पर अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए कहा कि 'विकास' और 'सुरक्षा' को अक्सर अलग-अलग दृष्टिकोण से देखा जाता है, लेकिन वास्तव में, ये गहराई से जुड़े हुए हैं और पारस्परिक रूप से मजबूत हैं।

उन्होंने कहा कि भूमि, श्रम, पूंजी और उद्यमिता जैसे आर्थिक विकास के प्रमुख कारकों का अध्ययन आर्थिक विश्लेषण का केंद्र रहा है जबकि रक्षा और सुरक्षा के प्रभाव का पारंपरिक रूप से अध्ययन नहीं किया गया है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि सुरक्षा को अक्सर एक आवश्यक लेकिन गैर-आर्थिक कारक के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि रक्षा खर्च, सैन्य बुनियादी ढांचा और राष्ट्रीय सुरक्षा आर्थिक विकास और संसाधन आवंटन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं, यहां तक कि गैर-युद्ध अवधि या शांतिकाल में भी ।

श्री सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी देश के बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सुरक्षा के लिए समर्पित है, यह क्षेत्र स्वयं रोजगार सृजन, तकनीकी प्रगति और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण आर्थिक योगदान देता है। उन्होंने सरकार के 'विकास' और 'सुरक्षा' के बीच अंतर को पाटने के संकल्प को दोहराया और इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक विकास तभी फल-फूल सकता है जब राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सीमा क्षेत्र विकास का दृष्टिकोण सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करने पर आधारित है। उन्होंने कहा, इससे बदले में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

दिल्ली में रहने वाले हर बच्चे को उनके प्रतिभा के हिसाब आगे बढ़ने का मौका मिले : आतिशी

एजेंसी

नई दिल्ली » दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने गुरुवार को कहा कि उनका सपना है कि राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले हर बच्चे को उनकी प्रतिभा के हिसाब आगे बढ़ने का मौका मिले। सुश्री आतिशी ने आज यहां छत्रसाल स्टेडियम में %दिल्ली स्टेट स्कूल गेम्स% 2024-25 का शुभारंभ करते हुए कहा, 'हमारा सपना है कि दिल्ली में रहने वाले हर बच्चे को उनके टैलेंट के हिसाब आगे बढ़ने का मौका मिले।' उन्होंने कहा कि, चाहे पढ़ाई हो या खेल दिल्ली सरकार यह जिम्मेदारी लेती है कि छात्रों को आगे बढ़ने के लिए हर प्रकार के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पैसों की कमी कभी भी खिलाड़ियों के टैलेंट में बाधा न बने इसलिए दिल्ली सरकार ने प्ले एंड प्रोग्रेस व मिशन एक्सीलेंस स्कीम की शुरुआत की।उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली स्टेट स्कूल गेम्स के माध्यम से हर साल स्कूलों में उभरती खेल प्रतिभाओं को अपने खेल कौशल को प्रदर्शित का मंच देती है। इस तरह के खेल आयोजनों से दिल्ली सरकार भविष्य के ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता तैयार कर रही है। सुश्री आतिशी ने कहा कि चाहे बच्चा अमीर परिवार से हो या ग़रीब परिवार से ,वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हो सकता है।

विधानसभा सत्र आज, विधायकों को दिलाई जाएगी शपथ

विधायक दल की बैठक में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के नामों पर हुआ मंथन, बडोली बोले सदन में ही होगा नामों का खुलासा

नईम खान, पब्लिक एशिया

चंडीगढ़ » हरियाणा में तीसरी पारी की भाजपा सरकार के गठन के बाद गुरुवार को आहूत विधायक दल की बैठक में विधानसभा स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के चयन के लिए नामों पर चर्चा तो हुई लेकिन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली ने कहा कि शुक्रवार को आहूत विधानसभा के सत्र मे ही इन नामों का खुलासा किया जाएगा।शुक्रवार को नव निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाने के लिए सत्र आहूत किया गया है। इसी सत्र में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का चुनाव कराया जाएगा।विधायको को प्रोटेम स्पीकर रघुवीर कादियान शपथ दिलाएंगे।

चंडीगढ़ में सीएम आवास संत कबीर कुटीर में गुरुवार शाम भाजपा विधायकों की बैठक हुई। इसमें विधानसभा स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के नाम पर चर्चा की गई।चर्चा है कि स्पीकर पद के लिए घरौंडा से विधायक हरविंदर कल्याण का नाम सबसे आगे चल रहा है। वहीं जींद विधानसभा सीट से जीते कृष्ण मिड्ढा को डिप्टी स्पीकर बनाया जा सकता है।

इससे पहले स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के लिए सीएम नायब सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली दिल्ली से हरी झंडी ले चुके हैं। दोनों ही नेता बीते मंगलवार से 2 दिन के दिल्ली दौरे पर रहे। ऐसे में माना जा रहा है कि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से उन्हें स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के लिए इशारा मिल चुका है। सीएम सैनी मंगलवार शाम को ही केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचे हुए थे। भाजपा ने 13 मंत्रियों को शपथ दिलाकर उन्हें मंत्रालय सौंप दिए हैं। इनमें कई क्षेत्रों और समुदायों को साधा गया है। अब स्पीकर के चुनाव के लिए भाजपा यह भी देख रही है कि कोई ऐसा जिला सरकार से अछूता न रह जाए, जिसकी बहुमत में बड़ी भूमिका रही हो।इस लिहाज से

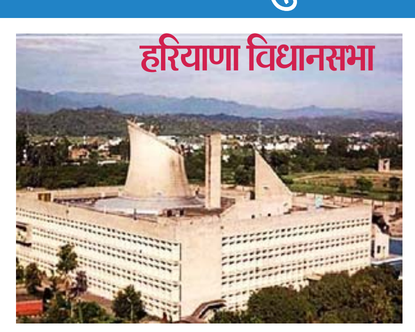

करनाल के घरौंडा से विधायक हरविंदर कल्याण का नाम स्पीकर के लिए अग्रणी माना जा रहा है। हालांकि, लगातार तीसरी बार जीते लेकिन मंत्रिपद से चूके मूलचंद शर्मा भी इस दौड़ में माने जा रहे हैं। स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के नामों का ऐलान 25 अक्टूबर को विधानसभा सत्र के दौरान किया जाएगा। चयन के दौरान एक विधायक नाम प्रस्तावित करेगा और बाकी विधायक उस नाम को अनुमोदित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री चयनित स्पीकर को विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाएंगे। इसी दौरान डिप्टी स्पीकर के नाम का भी ऐलान किया जाएगा। हरविंदर घरौंडा सीट से लगातार तीसरी बार जीतकर विधायक बने हैं। वह रोड समाज से आते हैं। रोड समाज को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिल पाई। हरविंदर की गिनती पूर्व सीएम और अब केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के करीबियों में होती है।

भाजपा को करनाल जिले की सभी 5 सीटों पर जीत मिली है। पानीपत में भी पार्टी ने 4 सीटें जीतीं। पानीपत से 2 मंत्री बनाए गए हैं, लेकिन 5 सीटों वाले करनाल जिले से किसी को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। डिप्टी स्पीकर पद के लिए मिड्ढा का नाम आगे होने का कारण जींद विधानसभा सीट से कृष्ण लाल मिड्ढा ने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है। भाजपा ने अभी सिर्फ एक पंजाबी चेहरे अनिल विज को मंत्रिमंडल में शामिल किया है। पिछले मंत्रिमंडल में 2 पंजाबी चेहरे थे। जींद और हिसार में 2 पंजाबी चेहरे चुनाव जीते, जिसमें कृष्ण मिड्ढा और विनोद भयाना शामिल हैं। दोनों ही मनोहर लाल के नजदीकी माने जाते हैं। हिसार से रणबीर गंगवा कैबिनेट में शामिल किए गए हैं, इसलिए कृष्ण मिड्ढा का नाम डिप्टी स्पीकर पद के लिए आगे है।

विधानसभा में सबसे सीनियर विधायक डॉ. रघुवीर कादियान को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। रघुवीर कादियान विधानसभा के स्पीकर रह चुके हैं। 25 अक्टूबर को सुबह 10 बजे राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय उन्हें प्रोटेम स्पीकर की शपथ दिलाएंगे। इसके बाद कादियान सभी नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे। इसके अलावा, स्पीकर और डिप्टी स्पीकर भी चुने जाएंगे। यह पहली बार नहीं है जब रघुवीर कादियान प्रोटेम स्पीकर बनकर विधायकों को शपथ दिलाएंगे। इससे पहले 2019 में भी विधानसभा में उन्हें प्रोटेम स्पीकर बनाया गया था। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई थी। कादियान साल 1987 में बेरी से पहली बार लोकदल के टिकट पर विधायक बने थे।इसके बाद साल 2000 से लेकर अब तक हुए 6 विधानसभा चुनावों में वह कांग्रेस के टिकट पर विधायक बनते आ रहे हैं। वह 2006 से लेकर 2009 तक विधानसभा अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

संपादकीय

भारतीय ज्योतिषियों की बलिहारी

मेरा ज्योतिष में किंचित क्या रत्ती भर विश्वास नहीं है ,लेकिन मेरे विश्वास करने और न करने से क्या फर्क पड़ता है। देश की बहुसंख्यक जनता का विश्वास तो है ज्योतिष पर। और इसी विश्वास के सहारे देश का कारोबार ,बाजार चलता आ रहा है। ज्योतिषी जब बताते हैं तब हमारे यहां नेता चुनाव में नामांकन पत्र दाखिल करते है। हम खुद ज्योतिषी के बताये मुहूर्त पर गृह प्रवेश करते है। और तो और भाँवरें डालते हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण ये है कि हम खरीद-फरोख्त भी ज्योतिषियों द्वारा बताये गए महूर्त के हिसाब से ही करते हैं। मैंने जब से होश सम्हाला है तब से देखता आ रहा हूँ कि हमारे भारतीय ज्योतिषी मुहूर्तों के बारे में पूछने पर ही बताते हैं और वो भी दक्षिणा लेने के बाद। वे पत्रा /पंचांग तभी खोलते हैं जब चढ़ौती चढ़ा दी जाय। लेकिन खरीद-फरोख्त के लिए शुभ मुहूर्त बताते हुए ज्योतिषी किसी से कोई दक्षिणा नहीं मांगते । बस बता देते हैं कि कब मकान खरीदना है ,कब सोना-चांदी खरीदना है ,कब वाहन खरीदना है। त्यौहार के मौसम में ज्योतिषी ऐसे -ऐसे दुर्लभ मुहूर्त बताते हैं की जनता बावली हो जाती है। जनता को बाबला कर ये ज्योतिषी बाजार की बल्ले-बल्ले करा देते हैं। एक ही दिन में साल-छह महीने का कारोबार हो जाता है। लगता है कि बाजार कि और ज्योतिषियों कि कोई दुरभि संधि है। हम उन लोगों में से हैं जो अपना हर काम 'अबूझ मुहूर्त' में करते है। ज्योतिषियों के बताये मुहूर्त के फेर में नहीं पड़ते ,इसीलिए चाहे जितना दुर्लभ मुहूर्त हो हम बाजार की और रुख नहीं करते । हालाँकि हमारे घर में दूसरे लोग नजर बचाकर बाजार से खरीदारी कर लेते हैं लें हम धनतेरस को भी चम्मच/ घंटी से ज्यादा कुछ नहीं खरीदते। खरीदना भी नहीं है क्योंकि ज्योतिषी तो साल में दस बार दुर्लभ मुहूर्त बताते है। यदि उनके हिसाब से खरीदारी करने लगे तो घर का बजट ही फेल हो जाये।

अब इस साल ही देख लीजिये। ज्योतिषियों ने कहा है की इस साल 24 अक्टूबर को जो दुर्लभ मुहूर्त बना है वो आज से 752 साल पहले बाना था। कमाल की बात है न कि जब दुनिया में कम्प्यूटर नहीं जन्मा था तब भी हमारे ज्योतिषियों का गुणा-भाग चलता था और उन्हें आज भी कम्प्यूटर नहीं बल्कि उनका अपना पत्रा/ पंचांग ही सैकड़ों साल पुराने मुहूर्त के बारे में बता देता है। मुझे कभी-कभी लगता है कि देश की असली सेवा हमारे ज्योतिषी ही करते हैं, लेकिन कभी-कभी इनके ऊपर शक भी होता है , क्योंकि ये ज्योतिषी आजतक ये नहीं बताये कि देश के अच्छे दिन कब आएंगे ?

आपको बता दूँ कि मै जिस शहर में रहता हूँ वो एक बड़े गांव जैसा ही ह। महाराजाओं का शहर है। यहां न सिटी बस है और न मेट्रो रेल। लेकिन वहां भी इस मुहूर्त के फेर में एक दिन में एक हजार वाहनों की खरीद हो गयी । मकान खरीदने वालों को मुहूर्त के हिसाब से रजिस्ट्री करने के लिए मुंह-मांगी रिश्वत देने के लिए मजबूर होना पड़ा। क्या पता कि मुहूर्त निकलने के बाद खरीदारी लाभप्रद हो या न हो। हमारे यहां आदमी धर्मभीरु ही नहीं ज्योतिष-भीरु भी है। ज्योतिषी नट की तरह देश की सीधीसादी जनता को अपने इशारे पर नचाते हैं। जनता कभी नहीं सोचती कि ये दुष्ट ज्योतिषी उनके भले के लिए नहीं बल्कि बाजार के भले के लिए ख़ास मुहूर्त निकलकर अखबारों में ,टीवी चैनलों पर दिखाते हैं। जनता तो ठहरी आँख की अंधी और नाम नयनसुख वाली। अपने दिमाग की खिड़कियां और दरवाजे कभी खोलती ही नहीं।चाहे चुनाव हो या भागवत कथा। देश की जनता कभी इन ज्योतिषियों से पूछती ही नहीं कि दुर्लभ योग में उन्होंने अपने लिए क्या खरीदा? ज्योतिषी बड़े चतुर -सुजान होते हैं। जनता को किश्तों में उलूक बनाते हैं। इस साल उन्होंने वृषभ ,कन्या और तुला राशि के जातकों को चुना। कहा कि इन राशियों के लोग यदि 752 साल बाद पड़ने वाले दुर्लभ योग का लाभ उठाना चाहते हैं तो हनकर यानि जमकर दरियादिली से खरीद-फरोख्त करें। ईडी ,सीबीआई की फ़िक्र न करें।

चूंकि ये मुहूर्त केवल हिन्दू पंचांगों में से निकलते हैं इसीलिए ये हिन्दुओं के लिए ही शुभ होते है। मुसलमान,ईसाई या दूसरे धर्मों के लोगों के लिए नहीं। हामिद को तो आज भी अपनी अम्मी के लिए बाजार से चिमटा ही खरीदना पड़ता है। देश के 85 करोड़ लोग तो उस मुहूर्त को ही शुभ मानते हैं जिस दिन उन्हें पांच किलो मुफ्त का अन्न मिलता है। लाड़ली बहिनों के लिए तो केवल वो मुहूर्त शुभ होता है जिस दिन उनके खाते में सरकार 1250 रूपये रक्षा बंधन के नेग के रूप में डाल देती है। हमारा दुर्भाग्य ये है कि हम चाहकर भी इन ज्योतिषियों की भविष्यवाणियों को चुनौती देने देश की किसी छोटी या बड़ी अदालत नहीं जा सकता। जैसे-तैसे पहुँच भी जाएँ तो वहां हमें सुनेगा कौन ? अदालतों में भी तो आखिर धर्मभीरु/ मुहूर्त प्रेमी लोग ही विराजते हैं। हमारे देश के मुख्यन्यायाधीश ने खुद रहस्योद्घाटन किया कि वे जब भी किसी बड़े मामले में फ़ैसला करने वाले होते हैं भगवान की शरण में चले जाते हैं। देश का कोई ज्योतिषी वही गुरु,अल्लाह या जीसस की शरण में कभी गया हो तो हमें पता नहीं। कहने का आशय ये है कि जिस देश में कार्यपालिका,विधायिका और न्यायपालिका तक भगवान के भरोसे काम करती हो उस देश में आखिर ज्योतिषियों का तम्बू कौन उखाड़ सकता है ? इन्हें तो सर्वदलीय समर्थन हासिल होता है। किसी भी दल की सरकार हो कोई इनके खिलाफ जाने वाला नहीं है। क्योंकि सभी की दुकानदारी में ज्योतिष की अहम भूमिका है। आप मुझे ज्योतिष शास्त्र कहें या विज्ञान कहें का विरोधी न माने । निंदक न मानें। मुझे तो अपने सनातन ज्ञान पर गर्व है। इसी के चलते सहमत न होते हुए मैं जिस अखबार में काम करता थे उसके पंडित जी यदि किसी दिन भविष्यफल भेजने में आलस करते थे तो मैं खुद उनकी और से भविष्यफल लिखकर छाप लेता था।पाठकों का मन जो रखना होता था। मैने जिस स्थानीय न्यूज चैनल में काम किया उसके दर्शकों के लिए खुद कंठीमाला पहनकर ज्योतिषी की भूमिका अदा की।आजकल चैनलों में अभिनय ही तो प्रधान है। आखिर जनता की आँखों में धूल ही तो झोंकना है नेताओं की तरह। जनता की आँखों में धूल झोंकना सबसे आसान काम और सबसे अधिक ललितकला है। इसलिए आप भी मेरे कहने से 752 साल बाद बने इस सौभग्यशाली मुहूर्त की अनदेख न करें। खरीदारी करे। क्रेडिट कार्ड से करें ,परसनल लोन लेकर करें ,कढुआ[कर्ज लेकर] काढ़कर करें। खरीदारी जरूर करें ,क्योंकि इसी से तो आपका भाग्य चमकने वाला है। जय श्री राम

▪ *राकेश अचल*

दंगों की भेंट चढ़ते बेकसूर लोग

मोइनुद्दीन देवबंद

अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता को इस तरह की बात करें तो पूरा यकीन है देश के अंदर जो माहौल बना हुआ है नफरतों का वह तुरंत खत्म हो जाएगा और देश की जनता के बीच एक बहुत ही प्रेम भरा संदेश भी जाएगा इसलिए प्रधानमंत्री को हर हाल में आगे आकर भाई चेहरे की बात करनी चाहिए ताकि देश की जनता के बीच में एक मधुर संबंध पैदा हो जाए यह जिम्मेदारी देश की हर एक राजनीतिक पार्टी की है कि वह दलगत की राजनीति से ऊपर उठकर अमन शांति और भाईचारे की बात जरूर करें ताकि देश की आम जनता के बीच में एक दीवार जो नफरत की खाड़ी हुई है वह टूट जाए और भाईचारे का पैगाम और इंसानियत का पैगाम आम हो जाए यह कर्तव्य देश की हर एक पार्टी का बनता है इसलिए उसको पूरी ईमानदारी से हर एक पार्टी को निभाना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के बहराइच मे जिस तरह से दंगा फसाद हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़ा दायक है उस देंगे की जितनी भी कठोर वह कड़ी निंदा की जाए वह बहुत ही कम होगी क्योंकि इस तरह के देंगे पूरे देश के अंदर एक डर का माहौल पैदा करते हैं और जबरदस्त देश का माहौल और वातावरण खराब हो जाता है ऐसे जहरीले दंगे और फसादों से देश की खूबसूरत हवाओं में एक नफरत का जहर भर जाता है जिसका असर बहुत दूर तलक जाता है जो कुछ बहराइच के अंदर हुआ है। यह इंसानियत और मानवता को शर्मसार करने वाला है। यह इंसानियत के लिए कलंकित है इस तरह से देंगे हो जाना यह देश के लिए बेहद ही खतरनाक और नुकसान देने वाला काम है ऐसे खतरनाक दंगों से देश हमेशा कमजोर होता है और देश के अंदर जो भाई चारा है वह भी बुरी तरह से फीका पड़ जाता है अब सोचने और समझना की बात है और देश के हर एक नागरिक को इस बात को लेकर मंथन करना चाहिए के क्या किसी को मार कर या फिर किसी के घर में आग लगाकर क्या कोई महान बन जाता है हरगिज़ महान नहीं बन सकता है बल्कि महान वह कौम वह इंसान बनता है जो एक दूसरे को फायदा पहुंचता हो इंसानों को आपस में जोड़ने की बात करता हो अमन शांति और भाईचारे का पैगाम देता हो वही इंसान महान और वही कौम महान होती है।

लेकिन अफसोस आज कल कुछ लोग ऐसे लोगों को महान समझ रहे हैं जो आपस में एक दूसरे समुदाय भडकाते हैं या फिर उनको बुरा भला का रहे हैं ऐसे तथाकथित लोगों को महान कहा जा रहा है जबकि कोई भी धर्म इस बात की इजाजत नहीं देता है के आप अपने धर्म का प्रचार और आगे बढ़ाने के लिए किसी की जान लो या फिर किसी के घर में आग लगा दो इस तरह के काम करने को कोई भी धर्म नहीं कहता है बल्कि हर एक धर्म ने इंसानियत और शांति का पाठ पढ़ना का काम किया है लेकिन अफसोस आज कुछ घटिया मानसिकता और फिरका परस्त लोगों ने धर्म की आड़ में आकर एक दूसरे को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया है। ऐसे लोगों का मकसद सिर्फ और सिर्फ नफरतों का बाजार गर्म करना है और एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने और आपस में एक समुदाय से दूसरे समुदाय को लड़ाने का है उनका मकसद सिर्फ नफरत फैलाने का होता है वह यह चाहते हैं के किसी भी सूरत में दो समुदाय के बीच एक मोहब्बत का वातावरण ना पैदा हो इसलिए वह हर समय एक दूसरे समाज को आपस में बांटने का काम करते रहते हैं जो कुछ बहराइच के अंदर हुआ है वह किसी भी सूरत में अच्छा नहीं हुआ है जिन कुछ लोगों ने देंगे कराए हैं शायद वह भूल गए हैं इन दंगों से कितना माल वह जान का नुकसान होता है जिसका अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता है इन दंगों की वजह से करोड़ों का नुकसान हो जाता है। लोगों के कारोबार ठप हो जाते हैं लोगों के माल दुकान फुक दिए जाते हैं ना जाने कितने बेकसूर लोगों की जाने चली जाती है और ना जाने कितने घर रात के ढेर बन जाते हैं और न जाने कितने मासूम बच्चे और कितनी महिलाएं दर बदर की ठोकरे खाने पर मजबूर हो जाती है मजबूरन उन्हें अपना वह घर छोड़ जाना पड़ता है जिसको बनाने के लिए

उन्होंने जिंदगी का एक हिस्सा लगा दिया है। सोचने और विचार करने वाली बात यह है के इन दंगों से किसी का कारोबार ठप होता है और किसी के मकान खंडर हो जाते हैं और कोई बेकसूर अपनी जान से चला जाता है अब सवाल यह उठता है कि आखिर इन दंगों से लाभ और फायदा क्या होता है इस बात में कोई भी शक नहीं है के इन दंगों से सिर्फ नुकसान के अलावा कुछ और हासिल नहीं हो सकता है आज बहराइच के जो हालात बने हुए हैं वह बेहद ही अफसोस जनक है क्योंकि एक बडी घुटन और डर महसूस कर रहे हैं वह लोग और एक बड़ी परेशानी में पड़ गए हैं अब उनको ना दिन को सुकून है और ना ही रात को सुकून है।

बहराइच के अंदर कुछ घटिया मानसिकता के लोगों ने दंगा कराया लेकिन अब झेलना उन लोगों को भी पढ़ रहा है जो बेकसूर और मजलूम में अब सवाल इस बात को लेकर भी उठाना चाहिए कि मुसलमान भी अपने अंदर गौर वह फिक्र करें की जब भी कोई यात्रा धार्मिक निकलती है उसे यात्रा के ऊपर बड़ा दिल दिखा कर फूलों की बरसात कर दे और अगर यह भी नहीं कर सकते तो चुपचाप सब्र के साथ उसे धार्मिक यात्रा को निकलने दे और यह बात भी जग जाहिर है कि अगर मुसलमान उनके यात्रा के ऊपर फूलों की बरसात करेगा तो यकीनन मुसलमानों की तरफ चल पड़ेगा फिर वह इस यात्रा को बहुत ही सम्मान तरीके से निकालने का काम करेंगे और मुसलमान उनके दिलों में एक बड़ी जगह बना लेंगे। इसलिए हर एक मुसलमान को इनकी हर एक यात्रा के ऊपर मोहब्बत का पैगाम दे और भाई चारे के साथ इस यात्रा को निकलवाने का काम करें ताकि आपस में देंगे भड़काने का कोई भी सवाल ही ना खड़ा हो वही हमारे हिंदू भाइयों को भी सोचना चाहिए कि जब वह अपनी धार्मिक यात्रा निकाले तो बड़े भाईचारे और मोहब्बत के साथ निकाले कोई भी गाना ऐसा ना बजाए जिससे किसी की भावना आहत हो या फिर उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचे ऐसे हर एक ऐसे गाने से बचना चाहिए। हिंदू भाइयों को तो फिर किसी भी घटिया मानसिकता के लोगों के अंदर वह ताकत ही नहीं होगी जो इस यात्रा के अंदर फुट डाल सके और देंगे भड़का सके अगर इन घटिया मानसिकता के लोगों को जवाब देना है दोनों समुदाय के लोगों को आगे आकर भाईचारे की पहल करनी होगी। बहराइच के अंदर जो कुछ हुआ है उसे पर कहीं ना कहीं उत्तर प्रदेश की सरकार पर भी सवाल खड़े होते हैं आखिर प्रशासन के लोग कर क्या रहे थे क्या उनकी जिम्मेदारी नहीं थी यात्रा के कड़े इंतजाम करने की जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बड़े-बड़े दावे करते हैं कि वह उत्तर प्रदेश के हालात कानून व्यवस्था को लेकर बहुत ही जबरदस्त और कड़े लेकिन जो कुछ बहराइच के अंदर हुआ वह पूरे देश के सामने है किस तरह से प्रशासन वहां पर फेल हुआ वहीं सरकार की भी अब जवाब देगी है कि वह उन्हें लोगों पर कार्रवाई करें जो गुनहगार और निर्दोष है और बेकसूर लोगों पर कार्रवाई करना उनके घरों पर बुलडोजर चलाना यह उन तमाम लोगों के साथ एक बहुत बड़ी नाइंसाफी होगी जिनका इस देंगे से कोई लेना-देना ही नहीं था अगर सरकार ऐसे लोगों के ऊपर कारवाई करती है जो दंगों से बहुत दूर थे तो फिर यह सरकार का एक बहुत जबरदस्त उन लोगों के सौतेला सुलूक होगा इसलिए सरकार को निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए। एक ही समुदाय के लोगों को टारगेट नहीं करना चाहिए जिन लोगों ने देंगे कराए और लोगों को भड़काने का काम किया उनके ऊपर सख्त एक्शन सरकार ले वह चाहे किसी भी समुदाय से आते हो ताकि भविष्य में कहीं भी ऐसे लोग देंगे ना कर सके। जो लोग एक दूसरे समुदाय को आपस में भड़काते हैं वह अपनी रोटियां सेक कर निकल जाएंगे वहीं राजनीतिक दल भी अपनी अपनी रोटियां सेक निकल जाएंगे इसलिए आम जनता को इन तमाम दंगों से दूर रहना चाहिए नुकसान आपका ही होगा और भरपाई भी आपको ही करनी पड़ेगी इन दंगों से मकान दुकान कारोबार से लेकर जान तक का नुकसान हो जाता है देंगे बहुत ही खतरनाक होते हैं यह आने वाली नस्लों को भी प्रभावित करते हैं वहीं प्रधानमंत्री को आगे आकर और बड़ा दिल दिखा कर दलगत की राजनीति से ऊपर उठकर देश की जनता से अपील करनी चाहिए क्योंकि उनकी एक अपील और पैगाम देना चाहिए उनकी इस अपील और पैगाम से जनता के अंदर एक जबरदस्त असर और प्रभाव होगा और देश की जनता उनकी बात को दिल की गहराइयों से अमल में लेगी क्योंकि वह देश के सबसे बड़े पद पर बैठे हुए हैं उनको आगे आकर देश की जनता को संबोधित करते हुए कहना चाहिए कि आपस में भरपूर मोहब्बत और भाईचारे के साथ रहे यह जो देश के अंदर एक जहरीला माहौल बना हुआ है उससे आम जनता का एक बड़ा नुकसान है वह देश के लिए किसी भी सूरत में सही नहीं है। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता को इस तरह की बात करें तो पूरा यकीन है देश के अंदर जो माहौल बना हुआ है नफरतों का वह तुरंत खत्म हो जाएगा और देश की जनता के बीच एक बहुत ही प्रेम भरा संदेश भी जाएगा इसलिए प्रधानमंत्री को हर हाल में आगे आकर भाई चेहरे की बात करनी चाहिए ताकि देश की जनता के बीच में एक मधुर संबंध पैदा हो जाए यह जिम्मेदारी देश की हर एक राजनीतिक पार्टी की है कि वह दलगत की राजनीति से ऊपर उठकर अमन शांति और भाईचारे की बात जरूर करें ताकि देश की आम जनता के बीच में एक दीवार जो नफरत की खाड़ी हुई है वह टूट जाए और भाईचारे का पैगाम और इंसानियत का पैगाम आम हो जाए यह कर्तव्य देश की हर एक पार्टी का बनता है इसलिए उसको पूरी ईमानदारी से हर एक पार्टी को निभाना चाहिए।

अकादमिक लेखन और सोशल मीडिया भाषा का प्रभाव

सोशल मीडिया भाषा और भाषा सर्वव्यापी हो गई है, और इसका प्रभाव अकादमिक लेखन में भी बढ़ रहा है। अपने विज्ञान को साझा करने के लिए शोधकर्ता ट्विटर, रिसर्चगेट, लिंक्डइन और फेसबुक जैसे अकादमिक सोशल नेटवर्क का तेजी से उपयोग कर रहे हैं, हम भाषा और संचार शैलियों में बदलाव देख रहे हैं। सोशल मीडिया के लिए लिखते समय संक्षिप्त शब्दों, संक्षिप्ताक्षरों और यहां तक कि इमोजी के साथ मसालेदार पाठ आदर्श हैं, और यह अनौपचारिक भाषा शैली शोध पत्रों के लिए आवश्यक अधिक तथ्यात्मक, पेशेवर भाषा में प्रवेश कर रही है। जबकि अकादमिक सामाजिक नेटवर्क के अपने फायदे हैं, पीएचडी छात्र और शुरुआती कैरियर शोधकर्ता जो इन दो संचार शैलियों के बीच अंतर करने में असमर्थ हैं, उन्हें अकादमिक और व्यावसायिक सफलता के लिए लिखते समय संघर्ष करना पड़ सकता है। इस लेख में, हम अकादमिक लेखन पर सोशल मीडिया भाषा के प्रभाव पर गहराई से चर्चा करते हैं और शोधकर्ताओं के लिए कुछ सुझाव सूचीबद्ध करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे उच्च गुणवत्ता वाला अकादमिक लेखन प्रदान करें। सोशल मीडिया के लिए लिखते समय और अकादमिक लेखन में आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली भाषा के बीच संबंध जटिल और बहुआयामी है। जबकि अकादमिक सामाजिक नेटवर्क ने सूचना के प्रसार और विचारों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान की है, इसने अनौपचारिक भाषा के व्यापक उपयोग को भी बढ़ावा दिया है, जिसमें स्लैंग और फैशनेबल संक्षिप्ताक्षर शामिल हैं, जो अकादमिक लेखन की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। यहां कुछ तरीके बताए गए हैं जिनसे अकादमिक सोशल नेटवर्क का अत्यधिक उपयोग और इन चैनलों पर पसंदीदा भाषा का उपयोग करने की आदत आपके अकादमिक लेखन के लिए हानिकारक हो सकती है। स्पष्टता और औपचारिक लहजे की कमी : सोशल मीडिया के लिए लिखते समय लगातार विकसित होने वाली भाषा, संक्षिप्ताक्षर, संक्षिप्तीकरण, आकस्मिक संदर्भ और यहां तक कि सांस्कृतिक प्रभाव भी सामग्री को समझना मुश्किल बना सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप संभावित गलत व्याख्या या गलतफहमियां हो सकती हैं। ऐसी अनौपचारिक भाषा का उपयोग अकादमिक लेखन के लिए अनुपयुक्त है, जिसके लिए आपको स्पष्ट, सटीक और अधिक औपचारिक होना आवश्यक है। ख़राब व्याकरण और वर्तनी : सोशल मीडिया के लिए लिखना चरित्र सीमाओं के साथ आ सकता है, जिसका अर्थ है कि लोग अक्सर एलिडिंग (शब्दों में स्वरों को हटाना) पर भरोसा करते हैं और व्याकरण के नियमों की अनदेखी करते हैं। इससे लेखन की बुरी आदतें विकसित हो सकती हैं, जो धीरे-धीरे आपके शैक्षणिक लेखन को ख़राब कर सकती हैं सीमित या कम शब्दावली : बोलते समय भारी निर्भरता और कठबोली शब्दों या वाक्यांशों और अनौपचारिक संकुचन (उदाहरण के लिए, चाहने के बजाय इच्छा) का बार-बार उपयोग स्वाभाविक लग सकता है, लेकिन यह आपकी समग्र शब्दावली को सीमित कर सकता है। जब शैक्षणिक और व्यावसायिक सफलता के लिए लेखन की बात आती है तो यह सीमित दायरा आपको सही शब्द ढूंढने में संघर्ष कर सकता है। शैक्षणिक और व्यावसायिक सफलता के लिए लिखने वाले शोधकर्ताओं के लिए युक्तियाँ अकादमिक लेखन के लिए उच्च स्तर की स्पष्टता, सटीकता और व्यावसायिकता की आवश्यकता होती है और सोशल मीडिया के लिए लिखने से कभी-कभी भ्रम और गलतफहमी पैदा हो सकती है। दो लेखन शैलियों का मिश्रण एक शोधकर्ता की विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकता है और यह धारणा बना सकता है कि लेखक शोध को गंभीरता से नहीं ले रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सोशल मीडिया के लिए लिखते समय उपयोग की जाने वाली भाषा आपके अकादमिक लेखन की गुणवत्ता को प्रभावित न करे, हमने शोधकर्ताओं के लिए क्या करें और क्या न करें की एक सूची तैयार की है।

विजय गर्ग

औपचारिक भाषा और लहजे का उपयोग करें : अपने शोध पत्र को लिखते समय याद रखने वाली सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक है औपचारिक भाषा और लहजे का उपयोग करना और अनुशंसित अकादमिक लेखन का पालन करना, अकादमिक सामाजिक नेटवर्क पर आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली भाषा के विपरीत, जहां कठबोली, संक्षिप्त शब्द, संक्षिप्त रूप से उपयोग किया जाता है। शब्द,बोलचाल, इमोटिकॉन्स आदि आम हैं, औपचारिक भाषा अधिक पेशेवर है और स्पष्टता का स्तर प्रदान करती है जो आपके लक्षित अकादमिक दर्शकों के लिए उपयुक्त है। अपने दर्शकों के लिए लिखें : अकादमिक लेखन एक विशिष्ट दर्शकों के लिए होता है। शोधकर्ताओं को अपने पाठकों के प्रति जागरूक रहना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका लेखन उनके लिए सुलभ हो। जबकि आपको अकादमिक भाषा और शब्दावली का उपयोग करना चाहिए जो आपके अध्ययन के क्षेत्र के लिए प्रासंगिक हो, अपने पाठ को शब्दजाल से भरने से बचें। इसके बजाय सरल और सीधी भाषा का उपयोग करें जो यह सुनिश्चित करेगी कि आपका काम आपके अपने क्षेत्र के पाठकों के साथ-साथ उन लोगों द्वारा भी समझा जाए जो शिक्षा जगत से नहीं हैं। संक्षिप्त, स्पष्ट और सटीक रहें : शोध पहले प्रकाशित काम पर आधारित है, और इसका मतलब है कि अकादमिक लेखन के लिए उच्च स्तर की स्पष्टता और सटीकता की आवश्यकता होती है। अकादमिक लेखन के लिए आवश्यक है कि आप अपने निष्कर्षों को संक्षिप्त और सुसंगत तरीके से व्यक्त करने में सक्षम हों ताकि पाठकों द्वारा भ्रम या गलत व्याख्या की कोई गुंजाइश न रहे। ख़राब ढंग से संरचित और प्रस्तुत किया गया शोध न केवल आपके द्वारा की गई कड़ी मेहनत के साथ अन्याय करता है, बल्कि एक शोधकर्ता के रूप में आपकी विश्वसनीयता को भी कम कर सकता है। उचित व्याकरण, विराम चिह्न और वर्तनी सुनिश्चित करें : खराब भाषा पांडुलिपि अस्वीकृति के शीर्ष कारणों में से एक है, जिससे आपके शोध पत्रों को उचित व्याकरण, विराम चिह्न और वर्तनी के साथ लिखना महत्वपूर्ण हो जाता है। अकादमिक लेखन में, आपको उचित व्याकरण और वाक्यविन्यास का उपयोग करना होगा, भाषा को बेहतर बनाने के लिए अपने काम को संपादित और संशोधित करना होगा, बहुत अधिक दीर्घवृत्त या विस्मयादिबोधक चिह्नों से बचना होगा, और अपने शोध को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने के लिए अपने काम को सावधानीपूर्वक प्रूफरीड करना होगा। अपनी शब्दावली का विस्तार करने के लिए काम करें» अपने अकादमिक लेखन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए, शोधकर्ताओं को अपनी शब्दावली का विस्तार करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

कभी 85 मंदिरों का शहर हुआ करता था खजुराहो!

डॉ श्रीगोपाल नारसन
एडवोकेट

इस मंदिर में संगीतकारों, किसानों, कुम्हारों और महिलाओं की मूर्तियां भी बनाई गई है। खजुराहो मंदिर एक हजार साल से भी ज्यादा पुराना है। कैप्टन टी.एस. बर्ट ने वर्ष 1838 में इन मंदिरों को खोजा और दुनिया के सामने पेश किया। उस वक्त बर्ट एक ब्रिटिश सेना के कप्तान थे। उनकी पोस्टिंग खजुराहो में थी। यह पन्ना से खजुराहो 40 किमी. की दूरी पर है।

दिल्ली से खजुराहो की एक मात्र फ्लाइट से जैसे ही शाम सवा पांच बजे खजुराहो एयरपोर्ट पहुंचा तो एयरपोर्ट के बाहर हाथों में वेलकम की तख्ती लेकर बड़ी संख्या में टैक्सी ड्राइवर खड़े थे,उन्ही में से एक ने कहा,साहब कहां जाओगे?खजुराहो में कही भी जाओ एक ही किराया है साढ़े तीन सौ रुपये।मैं बिना कोई समय गंवाये अपनी पत्नी सुनीता के साथ टैक्सी में बैठ गया और लेक्साइट होटल जा पहुंचे जहां रात्रि विश्राम के बाद हमे पन्ना के लिए निकलना था।जहां ठहरे थे वही सामने एक खूबसूरत झील और विश्व धरोहर घोषित खुजराहो की मंदिर श्रखंला थी,जिन्हें देखने के लिए ऑन लाइन प्रति व्यक्ति 35 रुपये टिकट खुद के मोबाईल से और एजेंट द्वारा 40 रुपये लगते है। कहते है चंदेल वंश के राजाओं के शासनकाल में खजुराहो में तांत्रिक समुदाय की उपासनामार्गी शाखा का अत्याधिक बोलबाला हुआ करता था।इस समुदाय के लोग योग और भोग दोनों को ही मोक्ष का साधन माना करते थे।इसी कारण खजुराहो को तंत्र साधना की नगरी भी कहा गया है।

मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित खजुराहो के ऐतिहासिक मंदिर विश्व धरोहर में शामिल है। यहां के मंदिरों में भारतीय आर्य स्थापत्य और वास्तुकला की बेमिसाल कलाकारी देखने को मिलती है। इन मंदिरों को देखने के लिए हर साल बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक यहां आते हैं।चंदेल वंश के राजाओं ने यहां जो काम कला से युक्त प्रतिमाएं मंदिरों की दीवारों पर बनवाई थीं, उनका रहस्य आज भी समझ से परे है। जिस भगवान शिव के मंदिर की दीवारों पर ये प्रतिमाएं उकेरी गई है,उन्ही भगवान शिव को पवित्रता का पर्याय माना गया है।आज भी हर कोई यह जानना चाहता है कि आखिर इन पवित्र मंदिरों में कामकला की प्रतिमाओं को क्यो उकेरा या फिर तराशा गया, हालांकि यहां आध्यात्म, नृत्य मुद्राओं और प्रेम रस की प्रतिमाओं को भी स्थान दिया गया है। अपने समय मे चंद्रवर्मन एक प्रभावशाली राजा माना गया है। चंद्रवर्मन की माता हेमवती ने उन्हें स्वप्न में दर्शन दिए और मंदिरों के निर्माण के लिए कहा। चंद्रवर्मन ने मंदिरों के निर्माण के लिए खजुराहो को चुना और खजुराहो को अपनी राजधानी बनाकर उन्होंने यहां 8

5 वेदियों का एक विशाल यज्ञ किया,बाद में 85 वेदियों के स्थान पर ही 85 मंदिर बनवाए गए थे,इन 85 मंदिरों में से आज यहां केवल 22 मंदिर ही शेष हैं। 14वीं शताब्दी में चंदेल खजुराहो से प्रस्थान कर दिए थे और उसी के साथ वह दौर भी खत्म हो गया था।इन मंदिरों को विश्व धरोहर के रूप में मान्यता दी गई है।यहां भारतीय आर्य स्थापत्य और वास्तुकला की बेमिसाल कलाकारी देखने को मिलती है। जिसे देखने के लिए हर साल हजारों देशी-विदेशी पर्यटक यहां आते हैं।खजुराहो स्मारक समूह को सन 1986 से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया है और इसे भारत के सात आश्चर्यों में से एक माना जाता है। इस शहर का नाम, प्राचीन काल में खर्जुरावाहक संस्कृत शब्द खर्जुर से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'खजूर'ये शहर एक बार सिर्फ खजूर के पेड़ों से ही घिरा हुआ था,इसलिए ही इसका नाम खजुराहो रख दिया गया। इसका नाम खजुरा-वाहक भी रखा गया।

जो भगवान शिव का एक प्रतीकात्मक नाम है। इन मंदिरों का निर्माण 950 ईसवीं से 1050 ईसवीं के बीच चंदेल वंश के दौरान किया गया था। इस मंदिर की दीवारों पर बनी सिर्फ 10 प्रतिशत नक्काशी काम कला से जुड़ी हैं इसके अलावा यहां की 90प्रतिशत नक्काशी उस वक्त के लोगों के जीवन को प्रदर्शित करती है। इस मंदिर में संगीतकारों, किसानों, कुम्हारों और महिलाओं की मूर्तियां भी बनाई गई है। खजुराहो मंदिर एक हजार साल से भी ज्यादा पुराना है। कैप्टन टी.एस. बर्ट ने वर्ष 1838 में इन मंदिरों को खोजा और दुनिया के सामने पेश किया। उस वक्त बर्ट एक ब्रिटिश सेना के कप्तान थे। उनकी पोस्टिंग खजुराहो में थी । यह पन्ना से खजुराहो 40 किमी. की दूरी पर है।खजुराहो बुंदेलखंड इलाके में पड़ता है। प्राचीन समय में इसे वत्स नाम से, मध्य काल में जेजाकभुक्ति के नाम से और 14वीं शताब्दी के बाद बुंदेलखंड के नाम से जाना जाता है। खजुराहों न जिला है,न तहसील फिर भी दुनिया भर के लोग खजुराहों आकर यहां के रमणीय मंदिरों का लुत्फ उठाते है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

पब्लिक एशियाः पत्र पंजीकरण संख्याः HARHIN/2011/40057, स्वामी मुकेश वत्स के लिए मुद्रक, प्रकाशक, स्वाति वर्मा ने पब्लिक एशिया E- 33, सैक्टर-7 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित करवाकर कार्यालय पब्लिक एशिया हाउस, शॉप नो.-8 ईदगाह रोड, नियर रेलवे स्टेशन, मॉडल टाउन, पानीपत, 132103, हरियाणा से प्रकाशित किया से प्रकाशित किया। E-mail: publicasia1989@gmail.com, website: www.publicasia.in, स्वाति वर्मा (संपादक), मुख्य कार्यालय : पब्लिक एशिया हाउस 686 जी, न्याय खंड 2 इंद्रापुरम गाज़ियाबाद(उ.प्र)। Mobile No. 8287879604, 9891945513, 0120-2605513 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होगें।
वैधानिक सूचना-पाठकों को सलाह दी जाती है की किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच- पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापन के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

मुख्य समाचार

उकलाना में किसानों ने किया प्रदर्शन

एजेंसी

हिसार » हरियाणा में हिसार जिला के उकलाना में किसानों ने गुरुवार को मंडियों में फसल बेचने में आ रही परेशानियों और खाद की कमी को लेकर प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय किसान सभा के नेता मियां सिंह के नेतृत्व में उकलाना क्षेत्र के किसान तहसील परिसर में इकठ्ठा हुये और प्रदर्शन किया। किसानों ने कहा कि उन्हें अनाज मंडियों में फसल बेचने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी ओर डीएपी खाद को लेकर भी मारामारी है और कोई भी खाद विक्रेता उन्हें खाद नहीं दे रहा है, जबकि मार्केट में ब्लैक में खाद बेची जा रही है। इसी तरह से नहर का पानी का भी उकलाना क्षेत्र में एक सप्ताह कर दिया गया है, जिससे उनके खेतों में फसलों की सिंचाई नहीं हो पा रही है। विरोध प्रदर्शन करने के बाद किसानों ने नायब तहसीलदार के मार्फत मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा।

अमृतसर में मुठभेड़ के बाद दो गैंगस्टर गिरफ्तार

एजेंसी

अमृतसर » पंजाब के अमृतसर में पुलिस ने सुल्तानविंड इलाके में मुठभेड़ के बाद दो गैंगस्टरों को गिरफ्तार कर फायरिंग के एक मामले को सुलझाने का दावा किया है। गैंगस्टरों से एक पिस्तौल ग्लॉक के साथ चार कारतूस और एक पिस्तौल .32 बोर के साथ चार कारतूस .32 बोर और खाली खोल बरामद किये गये हैं।पुलिस आयुक्त (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार किये गये गैंगस्टरों की पहचान रेशम सिंह उर्फ बाऊ निवासी गांव चभल, तरनतारन और गुरविंदर सिंह उर्फ गुरी निवासी गांव बुग्गा, तरनतारन के रूप में हुई है। दोनों शूटर जसदीप सिंह उर्फ साजन, निवासी सुंदर नगर, अमृतसर के घर पर फायर करने के मामले में पुलिस को वांछित थे। सीपी गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि विश्वसनीय सूचना मिली थी कि वांछित शूटर रेशम सिंह उर्फ बाऊ और गुरविंदर सिंह उर्फ गुरी को डायमंड एवेन्यू के पास सुल्तानविंड, अमृतसर के इलाके में है। इस सूचना के आधार पर सीआईए स्टाफ और थाना रामबाग की पुलिस टीमें डीसीपी सिटी अभिमन्यु राणा, आईपीएस, डीसीपी जांच हरप्रीत सिंह मंढेर, की देखरेख में एडीसीपी स्पेशल ब्रांच हरपाल सिंह रंधावा और एसीपी ईस्ट गुरिंदरबीर सिंह सिद्धू मौके पर पहुंची, जिस दौरान आरोपियों ने पुलिस टीमों पर गोलियां चलाई और मौके से भागने की कोशिश की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गुरविंदर सिंह उर्फ गुरी गोली लगने से घायल हो गया, जिसे बाद में अस्पताल में भर्ती कराया गया और रेशम सिंह उर्फ बाऊ को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी है। इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट और डकैती के मामले दर्ज हैं। श्री भुल्लर ने बताया कि गिरफ्तार किये गये गैंगस्टरों के बीच संबंधों की जांच और उनकी पहचान के लिये आगे की जांच की जा रही है।

नड्डा ने हिमाचल को दी कई सौगातें, कांग्रेस के मंत्री की टिप्पणी निराधार : नंदा

एजेंसी

शिमला » भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस के मंत्री जगत सिंह नेगी को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से ईर्ष्या हो रही है और जनता को भ्रमित कर कांग्रेस के मंत्री केवल सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहते है। श्री नंदा ने कहा भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने हिमाचल के लिए क्या-क्या किया है वो हिमाचल की जनता भलीभांति जानती है। उन्होंने श्री नेगी से पूछा कि हिमाचल की धरती पर एम्स की सौगात कौन लाया, हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज, बल्क ड्रग पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, अनेकों मेडिकल कॉलेज कौन लाया और इसके अलावा करोड़ों रुपये के फंड पर्वतीय राज्य के लिए कौन लाया। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी को हमेशा कहती थी कि एम्स तो हिमाचल में दूरबीन लगाकर भी नहीं मिलेगा, पर जब से एम्स जैसे उच्चतम संस्थान की स्थापना प्रदेश में हुई है तब से सभी कांग्रेस नेताओं के मुंह बंद हो गए हैं। श्री नंदा ने कहा कि कांग्रेस के मंत्री को पता नहीं चलता कि वह क्या बयान बाजी कर रहे है। श्री नेगी को श्री नड्डा के योग्यता से ईर्ष्या होती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और चंडीगढ़ से पर्यटक अब सीधे कमरूघाटी पहुंचेंगे। केंद्र सरकार के राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने गोहर-पंडोह सड़क के लिए नौ करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। किरतपुर-मनाली फोरलेन पर 14.60 करोड़ रुपये की लागत से 18 फुटओवर ब्रिज बनेंगे।

मुख्यमंत्री ने जिला नगर आयुक्तों और नगर निगम आयुक्तों के साथ की अहम बैठक

समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं का त्वरित समाधान करें सुनिश्चित, कोई भी नागरिक असंतुष्ट होकर न लौटे - मुख्यमंत्री

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शहरों में स्वच्छता पर जोर देते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि आगामी एक माह में शहरों में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी शहर में कूड़े-कचरे के ढेर नहीं दिखाई दिए जाने चाहिएं। सरकार का लक्ष्य स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग में हरियाणा को टॉप रैंकिंग में लाना है। इसलिए सभी को एक टीम की तरह मिलकर जिम्मेवारी के साथ काम करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री आज यहां शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा के लिए जिला नगर आयुक्तों (डीएमसी) और नगर निगम आयुक्तों (एमसी) के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने समाधान शिविर की प्रगति, सफाई अभियान, आवारा पशु मुक्त शहर बनाने, संपत्ति आईडी, स्वामित्व योजना, कॉलोनियों के नियमितीकरण, पीएम स्वनिधि योजना, सड़कों की मरम्मत और विकास कार्यों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम को स्मार्ट सिटी बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए अधिकारी गुरुग्राम में सफाई से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के लिए पूरी तत्परता से काम करें। स्वच्छता अभियान में अच्छा काम करने वाले नगर निकायों को सम्मानित भी किया जाएगा। गलियों में जलभराव की समस्या के समाधान के संबंध में निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक ड्रेनेज सिस्टम से संबंधित परियोजनाएं पूरी नहीं हो जाती, तब तक संबंधित अधिकारी सबसे पहले गलियों से पानी की समय पर निकासी करने पर जोर दें। उन्होंने कहा कि यदि कोई एजेंसी नालों की सफाई या सफाई व्यवस्था के काम में लापरवाही बरतती है तो उसे तुरंत ब्लैक लिस्ट किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि जरूरत पड़े तो सफाई कर्मचारियों की अतिरिक्त मैनपावर की जरूरत हरियाणा कौशल रोजगार निगम से पूरी की जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर पालिकाओं, नगर निगमों और नगर परिषदों में स्ट्रीट लाइटें लगवाना और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना प्रत्येक अधिकारी की प्राथमिकता होनी चाहिए, इसलिए इन परियोजनाओं से संबंधित कार्यों का समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की जवाबदेही और जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। उन्होंने स्ट्रीट लाइटों की देखरेख और उन्हें समय पर बदलने के भी निर्देश दिए। नगर निकायों में सड़कों के सुदृढ़ीकरण के संबंध में निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि निकायों में किसी भी सड़क पर गड्ढे नहीं होने चाहिए। संबंधित अधिकारी सड़कों की मरम्मत की मॉनिटरिंग करें और पूरा कार्य तय समय में पूरा किया जाए। सड़कों की मरम्मत और रि-कारपेटिंग के कार्य में तेजी लाई जाए।

हरियाणा बने आवारा पशु मुक्त राज्य : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि लोगों को जागरूक किया जाए कि पशुओं को सड़कों पर न छोड़े। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आवारा पशुओं को जल्द से जल्द गौशालाओं और नंदीशालाओं में स्थानांतरित किया जाए। राज्य सरकार द्वारा गौशालाओं और नंदीशालाओं के लिए अलग से बजट का प्रावधान किया है। इसलिए अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि धन की कमी के कारण आवारा पशुओं को स्थानांतरित करने का कार्य बाधित न हो। उन्होंने कहा कि सरकार पंचायती जमीन पर गौशाला बनाने के लिए भी अनुदान दे रही है, ताकि सड़कों पर गौवंश बेसहारा न घूमे। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि ऐसे लोगों की पहचान की जानी चाहिए जो बार-बार अपने पशुओं को बेसहारा छोड़ते हैं और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 अक्टूबर 2024 से प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 11 बजे तक सभी 88 नगर निकायों में समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को समाधान शिविरों में ही स्वामित्व कार्ड वितरित करने की व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी समाधान शिविरों में स्वामित्व कार्ड वितरित करने के लिए एक दिन तय करें और 30 नवंबर तक स्वामित्व कार्डों को वितरित करने पर जोर दिया जाए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संपत्ति पहचान पत्र के काम में लंबित मामलों को जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए। लंबित मामलों को पूरा करने और विसंगतियों को दूर करने के लिए जिलेवार रोडमैप तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी निचले स्तर पर जिम्मेदारी तय करें ताकि कार्य में अनावश्यक देरी न हो।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में जिला नगर आयुक्तों एवं नगर निगम आयुक्तों के साथ शहरी स्थानीय निकाय विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए। साथ में हैं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल। (24.10.2024)

सूखा कचरे को जलाने की घटनाओं पर रखें निगरानी

शहरों में सूखा कचरा कूड़ा-कचरा और बागवानी अपशिष्ट जलाने की समस्या से निपटने के मुद्दे पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें कि शहरों में कहीं भी सूखा कचरे को जलाने की कोई भी घटना न हो। यदि इस संबंध में कोई शिकायत प्राप्त होती है तो उस पर त्वरित कार्रवाई करें। साथ ही, कचरा निपटान की भी उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

अपनी जिम्मेदारियों से भाग रही है केंद्र सरकार : बरसट

एजेंसी

मोहाली » पंजाब आम आदमी पार्टी के प्रदेश महासचिव और पंजाब मंडी बोर्ड के अध्यक्ष हरचंद सिंह बरसट ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पंजाब का माहौल खराब करने की लगातार कोशिशें की जा रही हैं और केंद्र सरकार के सौतेले व्यवहार के कारण पंजाब की मंडियों से धान उठान में दिक्कतें रही हैं।श्री बरसट ने कहा कि केंद्र सरकार जानबूझकर पंजाब राज्य के गोदामों में पहले से पड़े अनाज भंडार को शिफ्ट करने में देरी कर रही है, जबकि पंजाब के शेलरों में भी करीब 20 हजार मीट्रिक टन चावल स्टोर में पड़ा है। इसी तरह पंजाब के गोदामों में फिर चाहे वह गोदाम एफ.सी.आई., वेयरहाउस या कोई अन्य गोदाम ही हों, उनमें लगभग 140 लाख टन चावल और गेहूं का भंडार पड़ा है और यह सारा भंडार केंद्र सरकार का है, जिसे केंद्र सरकार द्वारा समय पर नहीं उठाया गया।

श्री बरसट ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की तरफ से केंद्रीय मंत्री और गृह मंत्री से भी बातचीत की जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद अभी तक पंजाब के मुद्दों को अनदेखा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री द्वारा शेलर मालिकों के साथ भी मुलाकात की गयी है, जबकि केंद्र सरकार को चाहिये कि वह इस संबंध में पंजाब सरकार के साथ संपर्क कायम करके किसानों, आढ़तियों, मजदूरों, शेलर मालिकों और व्यापारियों की समस्याओं का हल करे। आढ़तियों की आढ़त 2.5 प्रतिशत करने संबंधी फैसला लेना, चावल की आउट टर्न 67 प्रतिशत से 62 प्रतिशत करने संबंधी, क्योंकि पीआर 126 नई किस्म का चावल कम निकलता है, एफसीआई द्वारा शेलर मालिकों / आढ़तियों / मजदूरों का बकाया वापस करने संबंधी मुद्दे केंद्र सरकार के हैं, जिनसे केंद्र सरकार भाग रही है। इसलिये केंद्र सरकार का फर्ज बनता है कि वह इस संबंध में जल्द से जल्द फैसले ले।

श्री बरसट ने कहा कि धान के सीजन के दौरान पंजाब सरकार द्वारा मंडियों में धान के खरीद कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के पुख्ता प्रबंध किये गये हैं, जिसके चलते अब तक पंजाब की मंडियों में 41.04 लाख टन धान की फसल की आमद हो चुकी है, जिसमें से 37.12 लाख टन धान की खरीद भी की जा चुकी है, जबकि 8.51 लाख टन की लिफ्टिंग भी करवाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि पंजाब मंडी बोर्ड की कुल 156 मार्केट कमेटियां हैं, जिनमें 152 मुख्य यार्ड हैं और 283 सबयार्ड हैं और 1383 खरीद केंद्र हैं, जबकि धान की खरीद सही ढंग से करने के लिए 1069 और आरजी खरीद केंद्र घोषित किये गये हैं।

नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से करना नगर निगम का मुख्य उद्देश्य : उप नगर निगम आयुक्त जितेंद्र सिंह

» नगर निगम ने कुल 10 शिकायतों में से 6 शिकायतों का किया मौके पर ही निदान

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार स्थानीय नगर निगम कार्यालय में वीरवार को समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर में नगर निगम डीएमसी एवं नोडल अधिकारी जितेंद्र कुमार ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। वहीं दूसरी ओर नगर पालिका महम, सांपला और कलानौर में शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और उनका समाधान किया गया। इस दौरान नगर निगम डीएमसी जितेंद्र कुमार ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ करना ही नगर निगम का मुख्य उद्देश्य है। कोई भी नागरिक शहरी स्थानीय निकाय से संबंधित अपनी समस्या रख सकता है।

समाधान शिविर में नागरिकों ने अपनी प्रोपर्टी आईडी, हाउस टैक्स, जन्म प्रमाण पत्र, पानी निकासी आदि विभिन्न प्रकार की समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखी। अधिकारियों ने नागरिकों की समस्या को गौर से सुना और उनका समयबद्ध ढंग से समाधान करने का आश्वासन दिया। वीरवार को नगर निगम, रोहतक व नगर पालिका महम/सांपला/कलानौर में कुल 10 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 6 शिकायतों का मौके पर समाधान करवाया गया। अधिकारियों ने कहा कि शेष आवेदनों पर कुछ औपचारिकताएं पूरी की होते ही समाधान हो जाएगा। समाधान शिविर में स्थानीय अम्बेडकर निवासी कॉलोनी निवासी जगदीश शर्मा पीआईडी, विजय नगर निवासी धर्मवीर सिंह विकास शुल्क ठीक करवाने, सेक्टर 25 से शिखा वर्मा एनओसी, राजेंद्र नगर निवासी सज्जन सैनी पीआईडी दुरुस्त करवाने, राम गोपाल कालोनी निवासी अनीता और अजीत कालोनी निवासी निर्मला देवी नाम और मोबाइल नंबर ठीक करवाने पहुंचे। अधिकारियों ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारी नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर हैं। नागरिक समाधान शिविरों के माध्यम से अपनी समस्या का समाधान करवा सकते हैं। नगर निगम कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में अधिकारियों ने सभी नागरिकों की समस्याओं को बड़े गौर से सुना। अधिकारियों ने नागरिकों से कहा कि समाधान शिविर में आने वाले नागरिक समस्या के फोटो या कोई ठोस सबूत जरूर लेकर आएं। नागरिकों का समस्याओं का हर हाल में समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नागरिक प्रॉपर्टी की प्रॉपर्टी टैक्स, सफाई आदि शहरी स्थानीय निकाय से संबंधित समस्याएं रख सकते हैं, जिनका समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

नायब सरकार के मंत्रियों का अधिकारियों पर हल्ला बोल

भूपेंद्र हुड्डा के यहां रात के अंधेरे में पहुंचे अधिकारियों के नाम मुख्यमंत्री तक पहुंचे : पवार

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » हरियाणा में भाजपा सरकार की हैट्रिक के बाद अब नायब सरकार के मंत्रियों ने अधिकारियों के चुनाव बाद और इसके दौरान अधिकारियों के व्यवहार को लेकर हल्ला बोल दिया है।इनमे सबसे अधिक खास पंचायत और विकास मंत्री कृष्ण पावर का आरोप है कि 8 अक्टूबर को मतगणना से पहले ही अधिकारी पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेंद्र हुड्डा के पास माथा टेकने पहुंच गए थे। पवार ने कहा कि वहां भाजपा के खिलाफ रणनीति तक बनाई गई। यह मीटिंग दिन में नहीं बल्कि रात के अंधेरे में हुई थी। इन अधिकारियों के नाम अब मुख्यमंत्री नायब सैनी के पास पहुंच गए हैं। जल्द ही इन अधिकारियों पर गाज गिर सकती है।

पंवार ने कहा- कुछ अधिकारी 6 अक्टूबर को रात के अंधेरे में भूपेंद्र हुड्डा से मिलने के लिए गए थे। इसकी रिपोर्ट मुख्यमंत्री नायब सैनी के पास पहुंच चुकी है। अधिकारी अब सामान्य स्थिति में आ जाएं। वह भी सरकार का हिस्सा हैं। वह निष्ठा से काम करें।

पंवार ने कहा कि अधिकारी दिमाग से यह बात निकाल दें कि भविष्य में कांग्रेस की सरकार आएगी। मैं पंडित तो नहीं हूं लेकिन अपने मन से यह कह सकता हूं कि जिस तरह गुजरात में 5 बार भाजपा की सरकार बनी, उसी तरह हरियाणा में भी आगे 2 बार भाजपा की सरकार ही आएगी। लेकिन मैं कोई ऐसा शब्द नहीं कहूंगा, जिससे उन्हें बुरा लगे।

इससे पहले बिजली एवं परिवहन मंत्री अनिल विज कह चुके हैं कि अधिकारियों ने उनकी हत्या की साजिश रची थी। विज ने सीधे डीसी पार्थ गुप्ता पर आरोप जड़े। विज ने कहा कि उन्हें 2 जगह जनसभा करने जाना था। मुझे लगता है कि वहां मुझे मरवाने की साजिश थी ताकि मैं अंबाला कैंट से 6 बार चुनाव जीतकर 7वीं बार चुनाव हार जाऊं। विज ने डीसी से पूछा कि उनका जिन दो जगहों पर विरोध हुआ, वहां क्या कार्रवाई की। प्रशासन को विरोध की पुख्ता जानकारी थी तो फिर सुरक्षा के बंदोबस्त क्यों नहीं किए गए। विज ने यह भी कहा कि जैसे ही 8 अक्टूबर को उन्हें बढ़त मिलनी शुरू हुई तो डीसी वहां से गायब हो गए।

इससे पहले चुनाव जीतने के बाद शिक्षा मंत्री बनाए महिपाल ढांडा ने कहा था कि चुनाव में %प्रशासन के कुछ लोग तेवर बदल रहे थे। कुछ अधिकारी भी तेवर बदल रहे थे। मैं 15 साल में पहली बार बोल रहा हूं- बख्शेंगे नहीं, जिन लोगों ने चालबाजी की है, बदतमीजी की है, बेईमानी की है। ऐसे लोग टिप्स पर हैं। उन्हें (अधिकारियों को) लगता था कि कांग्रेस की सरकार आ रही है, इसलिए पानी भरने चले गए थे।

कुरुक्षेत्र में 28 नवंबर से 15 दिसंबर तक आयोजित होगा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव

» मुख्य कार्यक्रम 5 से 11 दिसंबर तक होंगे, 11 दिसंबर को होगा महापर्व

» अफ्रीकी देश तंजानिया होगा पार्टनर देश और ओडिशा होगा पार्टनर स्टेट

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » हरियाणा में धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में हर वर्ष की भांति इस बार भी अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव को भव्य रूप से मनाया जाएगा। 28 नवंबर से 15 दिसंबर 2024 तक अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। वर्ष 2016 से हरियाणा सरकार ने गीता महोत्सव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने की शुरुआत की है, तब से ही हरियाणा का नाम देश-विदेश में विख्यात हुआ है। हर वर्ष किसी न किसी देश में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव समारोह के संबंध में चंडीगढ़ में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए। साथ में हैं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज। (24.10.2024)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जो कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष भी हैं, आज यहां अपने निवास स्थान संत कबीर कुटीर में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल तथा गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज भी उपस्थित रहे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में तंजानियां को पार्टनर देश तथा ओडिशा होगा पार्टनर राज्य होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समारोह के दौरान शहर में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि देश-विदेश से आने वाले आगंतुकों को किसी भी प्रकार की अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। इस कार्य में कुरुक्षेत्र जिला की सामाजिक, धार्मिक संस्थानों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन व युवाओं को जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर में दिव्य कुरुक्षेत्र नाम से स्वच्छता का एक विशेष अभियान चलाया जाए, जिसमें वह स्वयं भी हिस्सा लेंगे।

बैठक में मुख्यमंत्री को इस बात की भी जानकारी दी गई कि भारत के चार प्रसिद्ध प्रमुख धार्मिक स्थलों पर राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी तथा लाइव प्रसार दिखाया जाएगा, जिसमें उत्तर प्रदेश के वृंदावन, गुजरात का द्वारका, कर्नाटक का उडूपी तथा ओडिशा का धार्मिक स्थल होगा।

मुख्य कार्यक्रम 5 से 11 दिसंबर तक होंगे, 11 दिसंबर को होगा महापर्व

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि इस वर्ष गीता जयंती का महापर्व 11 दिसंबर 2024 को होगा। महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 5 दिसंबर से 11 दिसंबर तक आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा जिला स्तर पर गीता महोत्सव कार्यक्रम जिला मुख्यालयों पर 9 नवंबर से 11 दिसंबर तक होंगे।इस बात की भी जानकारी दी गई कि कार्यक्रम को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी लोकप्रिय बनाने की पहल की गई है। सूचना, लोकसपंर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा यू-ट्यूब चैनल पर गीता में मेरा पसंदीदा श्लोक (माई फेवरेट श्लोक इन गीता) थीम से प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाएगा। प्रतिभागियों द्वारा भेजे गए सबसे अधिक लाइक किए जाने वाले वीडियो को महोत्सव के समापन समारोह पर 1 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

पानीपत,
शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024
www.publicasia.in

मुख्य समाचार

भाजपा की भारी जीत पर अनुसूचित मोर्चे के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश महामंत्री डा अर्चना गुप्ता को दी बधाई

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » हरियाणा विधान सभा चुनाव में बड़ी जीत से भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी जोश ,उत्साह,खुशी तथा उमंग भरी हुई है। आज भाजपा अनुसूचित मोर्चे के कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश महामंत्री डा अर्चना गुप्ता को मिठाई खिलाकर बधाई तथा शुभ कामनाएं दी।अपने बधाई संदेश में डॉ अर्चना गुप्ता ने कहा भाजपा की ये शानदार जीत कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत तथा पार्टी के कुशल नेतृत्व की जीत है। जनता ने भाजपा की राष्ट्रवादी तथा विकासवादी नीतियों पर विश्वास जताया है। डा अर्चना गुप्ता ने कार्यकर्ताओं के कड़े परिश्रम के लिए आभार व्यक्त किया । डा अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा दलित समाज की सबसे बड़ी हितैषी है। बी पी एल परिवारों को मात्र पांच सौ में गैस सिलेंडर देना। सी एम आवास योजना।आदि गरीब लोगों की भलाई के काम किए।प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर से संबंधित स्थलों को पंच तीर्थ बनाना बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि है डा अर्चना गुप्ता ने कहा कि दलित समाज के लोगो ने प्रधानमंत्री के संविधान की रक्षा तथा आरक्षण की रक्षा की गारंटी पर विश्वास किया। इस बधाई देनेवालों में मोर्चे के जिला अध्यक्ष रवींद्र तुषामढ,सुभाष क़बीरपंथी,बबीता शीर्षवाल,पूनम कोहली,कविता,बबली,राजीव जनझोत्रा सिठाना,अमन सिठाना,रॉकी गहलोत मोजूद रहे।

जाट कॉलेज में अहोई अष्टमी पर लगाए तुलसी के पौधे

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक » जाट कॉलेज में वीरवार को अहाई अष्टमी के शुभअवसर पर पुस्तकालय के प्रांगण में औषधीय पौधे लगाए गए। इस मौके पर कॉलेज प्राचार्या डॉ. शबनम राठी व पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. सुनीता ढुल व स्टाफ सदस्यों के साथ मिलकर तुलसी का पौधा लगाया। प्राचार्या डॉ. शबनम राठी ने कहा कि इस दिन अपने घर में तुलसी का पौधा लगाना बेहद शुभ होता है। अगर आप अहोई अष्टमी पर ये पौधा लगा रहे हैं, तो इसकी रोजाना पूजा करें। इससे संतान के जीवन में खुशहाली बनी रहती हैं। उन्होंने कहा कि घर में तुलसी का पौधा लगाने से आस-पास का वातावरण शुद्ध होता है और बीमारियां दूर रहती हैं। तुलसी के नियमित सेवन से कई तरह के रोगों से बचाव होता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी भगवान विष्णु को प्रिय हैं। ऐसा माना जाता है कि जिस घर में तुलसी का पौधा होता है, उस घर में भगवान विष्णु का वास होता है। पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. सुनीता ढुल ने बताया कि पुस्तकालय प्रांगण में तुलसी, ग्वारपठा, कड़ी पत्ता आदि औषधीय पौधे लगाए गए। ये हमारे वातावरण को शद्ध रखते हैं। हम सभी को इस प्रकार पौधे अपने घरों में लगाने चाहिए। जिस तरह अहोई अष्टमी पर माताएं अपनी संतानों के स्वस्थ जीवन की कामना के लिए व्रत रखती हैं उसी तरह हमें पौधों को बचाने व देखभाल करने के लिए प्रण लेना चाहिए तभी हमारी प्रकृति व वातावरण स्वस्थ रह सकेगा। इस अवसर पर डॉ. मुनीष नांदल, डॉ. सुनीता ढुल, नरेश, सुखवीर, संदीप, सतीश, सुरेंद्र सहित सभी लाइब्रेरी के सदस्य मौजूद रहे।

❑ औषधीय गुणों से भरपूर है तुलसी का पौधा : डॉ. शबनम राठी

अमृतसर की मंडियों में 138035 टन धान की आवक : डॉ गुप्ता

एजेंसी

अमृतसर, » अमृतसर केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र से विधायक डॉ अजय गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि अब तक जिले की मंडियों में 138035 टन धान की आवक हो चुकी है और 74768 टन धान की लिफ्टिंग हो चुकी है। इसके लिये किसानों को 246.93 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देश पर डॉ अजय गुप्ता ने नायब तहसीलदार अजय शर्मा, जिला मंडी अधिकारी अमनदीप सिंह, जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी सरताज सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ दाना मंडी भगतावाला का दौरा किया गया और खरीद व्यवस्था की समीक्षा की। डॉ गुप्ता ने कहा कि विभिन्न खरीद एजेंसियों द्वारा धान की खरीद जारी है। उन्होंने कहा कि आज किसानों से बातचीत की गयी, जो लिफ्टिंग रह गयी है, उसे भी खरीद के लिये अधिकारियों को दिशा निर्देश दे दिये हैं। उन्होंने आज शेलर मालिकों के साथ बैठक की। डॉ गुप्ता ने कहा कि अमृतसर जिले में शेलर मालिकों द्वारा 410563 टन बासमती खरीदी जा चुकी है, जिसका भुगतान भी किसानों को कर दिया गया है। शेलर मालिकों ने बताया है कि प्रतिदिन लगभग 300 ट्रक बासमती खरीदी जा रही है।विधायक डॉ अजय गुप्ता ने बताया कि मंडी में किसानों से बातचीत के दौरान किसानों ने बताया कि उन्हें किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं हो रही है, वहीं कुछ किसानों ने कुछ समस्यायें बतायीं, जिस पर संबंधित अधिकारियों को उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करने का निर्देश दिया।

बस ने बाइक को टक्कर मारी, बुजुर्ग की मौत

एजेंसी/फतेहाबाद » हरियाणा में फतेहाबाद जिला के कस्बा भूना में गुरुवार को एक निजी बस ने एक बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार बुजुर्ग की मौत हो गयी और उसका पोता घायल हो गया।जानकारी के अनुसार, जांडली कलां गांव निवासी विक्रम अपने दादा को दवाई दिलवाने के लिये बाइक पर भूना जा रहा था। भूना से जरा पहले पीछे से आ रही निजी बस ने बाइक को टक्कर मार दी। बस फतेहाबाद से नरवाना जा रही थी। टक्कर के बाद विक्रम सड़क किनारे गिरा, जबकि सड़क पर बीचों-बीच गिरे कन्हैया लाल के ऊपर से बस गुजर गई, जिससे मौके पर ही बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसे में विक्रम को हल्की-फुल्की चोटें लगी हैं।

मान सरकार पंजाब मिलिंग पॉलिसी 2023-24 के क्लॉज़ 14 के अंतर्गत मंडियों में किसानों से धान की तुरंत करे खरीद : भाजपा

» पंजाब की 10 लोकसभा सीटों पर आप को मिली करारी हार का बदला लेने के लिए आप सरकार मंडियों से धान नहीं खरीद रही : भाजपा

» पंजाब की आप सरकार व किसान संगठनों के कारण 4 महीने चावल नहीं उठ पाए तो देरी के लिए केंद्र की भाजपा सरकार कैसे दोषी ? : भाजपा

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पंजाब मिलिंग पॉलिसी 2023-24 के खंड / क्लॉज़ 14 के अंतर्गत से मंडियों में धान / झोने को तुरंत खरीद पंजाब के किसानों को राहत दे, यह मांग आज पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता सरदार हरजीत सिंह ग्रेवाल व प्रदेश मीडिया प्रमुख विनीत जोशी ने आज चंडीगढ़ में एक पत्रकार वार्ता में की । पंजाब में 10 लोकसभा सीटों पर आम आदमी पार्टी को मिली करारी हार का बदला लेने के लिए आप की पंजाब सरकार मंडियों से धान की खरीद जानबूझ कर नहीं कर रही, किसानों को तंग कर रही है और अगर यह बात सच नहीं तो केंद्र से धान की खरीद के लिए 43000 करोड़ रुपये मिलने के बावजूद पंजाब की आप सरकार खरीद क्यूँ रोकी हुई है ?, क्यूँ सिंगल कस्टडी के तहत धान की खरीद नहीं कर रही ? ग्रेवाल व जोशी ने पूछा ।

आम आदमी पार्टी लगातार झूठ बोल रही है कि पिछले साल के चावल नहीं उठाए जाने के कारण पंजाब में धान रखने की जगह नहीं

है क्यूंकी जहां पिछली बार खुले मैदान में धान रखा था वहाँ से उसे उठा कर, पिसाई कर, उसका चावल बना, उसे बंद गोदाम में रख दिया गया था तो जहां पर पिछले बार धान रखा था वो जगह खाली है । राइस शैलर मालिकों ने भी पंजाब सरकार को अपने शेलरों में सिंगल कस्टडी में धान रखने के लिए जगह दी है तो धान रखने की जगह तो है पर आप सरकार की नियत नहीं है । पंजाब से चावल उठाने में हो रही देरी के लिए पंजाब की आप सरकार व किसान संगठन जिम्मेदार है ना कि केंद्र सरकार । आप सरकार इसलिए दोषी है क्यूंकी फॉर्टफाइड राइस मिलिंग पॉलिसी को पंजाब सरकार हमेशा की तरह 15 नवंबर 2023 को ना लाकर दो-ढाई महीने लेट 21 जनवरी 2024 को लेकर आई, इस कारण दो-ढाई महीने धान से चावल ही नहीं बने तो केंद्र सरकार उसे रेल में कैसे लेकर जाती । दूसरा किसान संगठन इसलिए दोषी हैं क्यूंकी जब फरवरी में धान की पिसाई के बाद वह चावल बन गया तो किसान संगठनों ने पहले फरवरी में रेल रोकी और बाद में अप्रैल - मई में 40 दिन फिर रेल रोकी जिस कारण लगभग दो महीने ट्रेन ही नहीं चली तो केंद्र सरकार चावल कहाँ से लेकर जाती । पंजाब की आप सरकार व किसान संगठनों के कारण 4 महीने चावल नहीं उठ पाए तो देरी के लिए केंद्र की भाजपा सरकार कैसे दोषी ? ग्रेवाल व जोशी ने पूछा।

मुख्यमंत्री का बठिंडावासियों को तोहफा, 41 करोड़ रुपये के दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्टों का किया उद्घाटन

नया बना गर्ल्स स्कूल और बलवंत गार्गी ऑडिटोरियम किया शहरवासियों को समर्पित

पंजाब सरकार द्वारा सूबे के सर्वांगीण विकास के लिए कोई कसर बाकी न छोड़ने का दिया भरोसा

पब्लिक एशिया ब्यूरो

बठिंडा » बठिंडा शहरवासियों को बड़ा तोहफा देते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 41 करोड़ रुपये की लागत वाले दो अहम प्रोजेक्ट, नया बना गर्ल्स स्कूल और बलवंत गार्गी ऑडिटोरियम, शहरवासियों को समर्पित किए।

आज यहां बलवंत गार्गी ऑडिटोरियम को लोगों को समर्पित करने के बाद एकत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सूबा सरकार पंजाब के सर्वांगीण विकास और लोगों की खुशहाली के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और अन्य राज्य सरकारों के प्राथमिक क्षेत्र हैं और इन पर पूरा जोर दिया जा रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब बात सूबे के विकास और लोगों की तरक्की की हो, तो हमारे पास फंडों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों को सुचारु प्रशासन और साफ-सुथरा निजाम देने पर जोर दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऑडिटोरियम, जो इंजीनियरिंग का एक अद्भुत नमूना है, 30 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस ऑडिटोरियम में एक सेमिनार हॉल, दो कॉन्फ्रेंस रूम, प्रदर्शनी हॉल और लोगों के लिए अन्य आवश्यक सुविधाएं हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस ऑडिटोरियम का नाम प्रसिद्ध साहित्यकार पद्म श्री बलवंत गार्गी के नाम पर रखा गया है और यह मिट्टी के महान पुत्र को असली श्रद्धांजलि है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा अत्याधुनिक ऑडिटोरियम पहले केवल विदेशों में ही बनाया जाता था, लेकिन अब सूबा सरकार के अनथक प्रयासों के कारण मालवा के गढ़ में इसका निर्माण किया गया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस ऑडिटोरियम का उपयोग कार्यशालाओं, सेमिनारों और अन्य आयोजनों के लिए किया जाएगा, जो युवाओं को योग्य सृजन देने में मदद करेंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह विद्यार्थियों और युवाओं को जिंदगी के हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए एक स्वस्थ प्लेटफार्म प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन युवाओं में हर क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए स्वाभाविक गुण होते हैं और उनकी क्षमता का सही और सुचारु उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी और युवा के उड़ान मन हवाई जहाज की तरह होते हैं और सूबा सरकार उन्हें जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए लांचपैड मुहैया करवाएगी। भगवंत सिंह मान ने स्पष्ट कहा कि वह तब तक प्रयास करते रहेंगे, जब तक पंजाब के विद्यार्थी अपने निर्धारित लक्ष्य हासिल नहीं कर लेते।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को जीवन में बड़ी सफलता हासिल करने के बाद भी धरती से जुड़े रहने और कड़ी मेहनत में विश्वास रखने के लिए कहा क्योंकि मेहनत ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने युवाओं को सूबे में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया क्योंकि इस धरती पर तरक्की और खुशहाली की बहुत गुंजाइश मौजूद है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सूबा सरकार सूबे के विकास और यहां के लोगों की खुशहाली को उजागर करने के लिए वचनबद्ध है।

ड्रग्स मामले में सत्कार कौर की गिरफ्तारी पर आप ने भाजपा को घेरा

आप प्रवक्ता बिक्रम जीत पासी ने गुजरात में ड्रग्स मामले में भाजपा सरकार की निष्क्रियता पर उठाए सवाल

मान सरकार पंजाब से नशे की समस्या खत्म करने के लिए ईमानदारी से काम कर रही है, विपक्षी नेता नशे के गोरखधंधे में गहरे शामिल हैं : पासी

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » आप प्रवक्ता एडवोकेट बिक्रम जीत पासी ने भारत में बड़े पैमाने पर नशीली दवाओं के मुद्दों और ड्रग्स नेक्सस में विपक्षी नेताओं की संलिप्तता की आलोचना की और ड्रग्स मामले में पंजाब की भाजपा नेता सत्कार कौर की हालिया गिरफ्तारी को लेकर भाजपा को घेरा। पासी ने कहा कि भाजपा सरकार के तहत बड़ी राजनीतिक शक्तियां नशीली दवाओं के व्यापार में शामिल हैं। पंजाब में हमारी सरकार नशे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है, जबकि भाजपा शासित राज्य सरकारें आंखें मूंद रखी है। उन्होंने कहा कि अकाली-भाजपा सरकार ने ही ड्रग्स माफिया को पंजाब में पैर जमाने की इजाजत दी थी। पूर्व कांग्रेस विधायक और मौजूदा बीजेपी नेता सत्कार कौर की गिरफ्तारी ने एक बार फिर इन सभी पार्टियों को बेनकाब कर दिया है।

पासी ने कहा कि ड्रग्स आपूर्ति का सिस्टम राज्य स्तर पर संचालित होता है। उन्होंने गुजरात पर विशेष रूप से प्रकाश डाला, जहां पिछले कुछ सालों में अरबों रुपए के नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई है। उन्होंने कहा कि गुजरात आज मादक पदार्थों की तस्करी का केंद्र बन गया है और भाजपा लगभग 30 वर्षों से गुजरात पर शासन कर रही है। नशीली दवाओं की बड़ी खेप यहीं से भारत में प्रवेश करती है। आप प्रवक्ता ने भाजपा की जवाबदेही की कमी पर सवाल उठाया और कहा कि सत्कार कौर जैसे हाई-प्रोफाइल नेताओं की गिरफ्तारी के बावजूद भाजपा केवल खुद को उनसे दूर करने का प्रयास कर रही है, जबकि वह उनकी पार्टी के वर्तमान नेता हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले पर भाजपा की चुप्पी संदेहास्पद है।

पासी ने पिछली घटनाओं का हवाला देते हुए नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों में शामिल अन्य भाजपा नेताओं की ओर इशारा किया, जिसमें मध्य प्रदेश में एक पूर्व राज्यसभा सदस्य के परिवार से जुड़ा एक महत्वपूर्ण ड्रग्स तस्करी का भंडाफोड़ भी शामिल है। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाली ये घटनाएं भाजपा नेतृत्व की मंशा पर गंभीर सवाल उठाती है। पासी ने केंद्र सरकार से गुजरात से होने वाले नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की अपील की और सवाल किया कि जब पंजाब में नशीली दवाओं की आमद को नियंत्रित करने की बात आती है तो भाजपा सरकार ढीली क्यों पड़ जाती है? उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इस मुद्दे से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार अभी तक सैकड़ों सक्रिय दवा तस्करों को गिरफ्तार कर चुकी है और लगातार कारवाई की जा रही है। भाजपा को भी दोषारोपण करने के बजाय नशीली दवाओं के प्रसार को रोकने के लिए निर्णायक रूप से कार्रवाई करनी चाहिए।

धान के अवशेष जलाने वाले किसान के विरुद्ध एफआईआर दर्ज : उपायुक्त अजय कुमार

» हरसैक से अवशेष जलाने की प्राप्त हुई थी सूचना

» ग्राम स्तरीय निगरानी टीम के निरीक्षण में किसान को फसल अवशेष जलाने का पाय गया दोषी

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि जिला में फसलों के अवशेष जलाने वाले किसानों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कृषि विभाग के अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर जिला के गांव बहुअकबरपुर निवासी सिलकराम पुत्र अभयराम के विरुद्ध पुलिस थाना में धान के अवशेष जलाने की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है।

अजय कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा फसल अवशेष जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है तथा फसल अवशेषों पर निगरानी के लिए ग्राम स्तरीय निगरानी टीमें गठित की गई है। गत 12 अक्तूबर को हरसैक से फसलों के अवशेष जलाने की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। कृषि विभाग के ग्राम स्तरीय निगरानी टीम ने हरसैक से प्राप्त लोकेशन के आधार पर खेतों का निरीक्षण किया। निगरानी टीम ने निरीक्षण के दौरान पाया कि सिलकराम पुत्र अभयराम ने अपने खेतों में धान के अवशेष जलाए हुए हैं। फसलों के अवशेष जलाना भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 व संपठित वायु एवं प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 का उल्लंघन है। प्रारंभिक जांच में उपरोक्त किसान को उपरोक्त अधिनियम की धारा का दोषी पाया गया है। कृषि विभाग के अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर फसल अवशेष जलाने वाले किसान के विरुद्ध पुलिस द्वारा मामला दर्ज किया गया है।

किसान धान के अवशेष न जलाएं : उपायुक्त अजय कुमार

उपायुक्त अजय कुमार ने किसानों का आह्वान किया है कि वे धान की फसल की कटाई के उपरांत फसल अवशेषों को आग न लगाएं। फसल अवशेषों को जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है तथा पशुओं के लिए चारे की कमी होती है। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें। फसल अवशेषों से पशुओं के लिए चारा भी बनाया जा सकता है तथा किसान कृषि यंत्रों की मदद से फसल अवशेषों की गांठ इत्यादि बनाकर बिक्री कर अतिरिक्त आय भी कमा सकते हैं। फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाकर भूमि की उपजाऊ शक्ति को भी बढ़ाया जा सकता है।

शिरोमणी अकाली दल की वर्किंग कमेटी ने चार विधानसभा सीटों पर आगामी विधानसभा चुनाव नही लड़ने का फैसला किया

शिरोमणी अकाली दल श्री अकाल तख्त साहिब के प्रति कृतज्ञ है तथा सिखों के सर्वोच्च स्थान के सभी निर्देशों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है

चंडीगढ़ » शिरोमणी अकाली दल की वर्किंग कमेटी ने आज सर्वसम्मति से फैसला किया है कि वह श्री अकाल तख्त साहिब की 'मान-मर्यादा और पंथक हितों को ध्यान में रखते हुए पंजाब में चार विधानसभा सीटों पर आगामी उपचुनाव नही लड़ने का फैसला किया है। इस संबंधी फैसला सर्वसम्मति से शिरोमणी अकाली दल के कार्यकारी अध्यक्ष सरदार बलविंदर सिंह भूंदड़ की अध्यक्षता में पार्टी की वर्किंग कमेटी की मीटिंग में जिला अध्यक्षों और हलका प्रभारियों की एक इमरजेंसी मीटिंग में लिया गया।

इस फैसले के बारे पत्रकारों को जानकारी देते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ.दलजीत सिंह चीमा ने कहा,'' आज की मीटिंग में यह भावना प्रवल हुई कि पार्टी अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह बादल ने पार्टी की ओर से पूर्ववर्ती अकाली दल सरकार के दौरान पार्टी की ओर से सभी कार्यों की नैतिक जिम्मेदारी ली थी। वर्किंग कमेटी, जिला अध्यक्षों और हलका इंचार्जों ने महसूस किया कि चूंकि परिवार के मुख्यिा-पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को श्री अकाल तख्त द्वारा उपचुनाव में भाग लेने से मना किया है, इसीलिए वे भी इस प्रक्रिया में भाग नही ले सकते । सभी ने महसूस किया कि उन्हे खुद का अकाली दल अध्यक्ष के परिवार का हिस्सा समझना चाहिए और उसके अनुसार काम करना चाहिए।''

डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि अकाली दल पूरी तरह से श्री अकाल तख्त साहिब के प्रति समर्पित है और सिखों की सर्वोच्च सीट के सभी निर्देशों का पालन करने के लिए दृढ़ संकल्प है। उन्होने कहा,'' हम यह भी समझते हैं कि राज्य में आम आदमी पार्टी, केंद्र सरकार और भाजपा और आरएसएस ने अकाली दल को नेतृत्वविहीन बनाने की साजिश रची है। इस साजिश के तहत सचखंड श्री हजूर साहिब ट्रस्ट जैसी सिख संस्थाओं को हमसे छीन लिया गया और हरियाणा में एक अलग गुरुद्वारा निकाय का गठन किया गया है, तथा यह एसजीपीसी के अध्यक्ष और कार्यकारी कमेटी के आगामी चुनाव को सुधार लहर ग्रुप के समर्थन में प्रभावित करने के प्रयासों के साथ यह प्रयास लगातार जारी हैं।''यह कहते हुए कि वर्किंग कमेटी ने सिख संस्थाओं को बचाने के लिए खड़े होने का निर्णय लिया है। उन्होने कहा,'' हमारे लिए नैतिकता किसी भी राजनीतिक गतिविधि से पहले आती है। शिरोमणी अकाली दल कोई राजनीतिक दुकान नही है, बल्कि यह पंथ के बलिदानों की एक शानदार विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। पार्टी अध्यक्ष ने 'गुरमत परंपरा के अनुसार खुद को पूरी तरह से श्री अकाल तख्त साहिब के सामने समर्पित कर दिया है। ऐसे मामले में शिकायतकर्ताओं- सुधार लहर के नेताओं द्वारा पार्टी के खिलाफ किए जा रहे दुष्प्रचार को रोकने के लिए किया गया है, जो पूर्ववर्ती अकाली दल की सरकारों के साथ-साथ सरकार और पार्टी द्वारा लिए गए सभी फैसलों का हिस्सा थे।''

भाजपा के दबाव में अकाली दल पंजाब में उपचुनाव नहीं लड़ेगा : चंदूमाजरा

चंडीगढ़, 24 अक्टूबर (वार्ता) अकाली सुधार आंदोलन के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व लोकसभा सदस्य प्रो. प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने आगामी उपचुनाव नहीं लड़ने के शिरोमणि अकाली दल के फैसले को पार्टी के इतिहास में %काला दिन% करार देते हुये इस कदम की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह फैसला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दबाव में लिया गया है। श्री चंदूमाजरा ने गुरुवार को दावा किया कि पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की सिफारिश पर अकाली दल ने डेरा बाबा नानक और चब्बेवाल सीटों के लिये अपने उम्मीदवार रविकरण सिंह कहलों और सोहन सिंह ठंडल को सीधे भाजपा को सौंप दिया। गिद्दड़बाहा निर्वाचन क्षेत्र के लिए अकाली दल ने भाजपा उम्मीदवार मनप्रीत सिंह बादल का समर्थन करने का विकल्प चुना है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व वाली भाजपा सीमावर्ती राज्य पंजाब में प्रभाव हासिल करने के लिये रणनीतिक रूप से इच्छुक है। चंदूमाजरा ने नेतृत्व की निंदा करते हुए कहा कि पार्टी अब लोकतांत्रिक तरीके से काम नहीं करती बल्कि एक 'प्राइवेट लिमिटेड कंपनी' के रूप में काम करती है, जिसका नियंत्रण पूरी तरह सुखबीर सिंह बादल के पास है। उन्होंने कहा, ' शिरोमणि अकाली दल का इतिहास संघर्षों और जीत से भरा पड़ा है, तब भी जब इसके नेता जेल में थे। अब यह इतना कमजोर कैसे हो गया है कि यह सुखबीर के बिना उपचुनाव नहीं लड़ सकता। '